दैनिक छत्तीसगढ़ गौरव

डाक पंजीयन क्रमांक :जी2-112/सी.जी/बी.एल.पी./032/ 2023-2026 website:- chhattisgarhgaurav.in

वर्ष 25 अंक 308 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रूपये मंगलवार 02 दिसंबर 2025 डाक-बुधवार 03 दिसंबर 2025 chhattisgarhgaurav@rediffmail.com

इंदौर स्वीट्स

नमकीन और मिठाईयों की लंबी श्रृंखला के बाद अब केशर कुल्फी और दही कचौड़ी

हमारा विश्वास हैं

एक बार खायेंगे, बार-बार आयेंगे...

पावर हाऊस रोड, कोरबा

फोन-222833,222733

प्रथमेश

घरों में लगे लाखों कैमरे हैक कर बनाया यौन शोषण वाला कंटेंट, 4 गिरफ्तार

सियोल,02 दिसंबर। दक्षिण कोरिया में 4 लोगों को 1.2 लाख से ज्यादा घरों और दुकानों में लगे आईपी कैमरे हैक करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने कैमरों में लगे आसान पासवर्ड और सुरक्षा खामियों का फायदा उठाया। इन कैमरों का फुटेज बच्चों, बुजुर्गों या सुरक्षा की निगरानी के लिए इस्तेमाल होता था। संदिग्धों ने इस फुटेज से यौन शोषण वाला गलत कंटेंट बनाकर ऑनलाइन बेचा, जिससे कई लोगों की प्राइवेसी खतरे में पड़ी। हैक किए गए कैमरों में निजी घर, कराओके रूम, पिलेट्स स्टूडियो और एक डॉक्टर का क्लिनिक भी शामिल था। एक आरोपी ने अकेले 63,000 कैमरे हैक कर 545 गलत वीडियो बनाए और उन्हें वर्चुअल करेंसी में बेच दिया। दूसरे आरोपी पर 70,000 कैमरे हैक कर 648 वीडियो बेचने का आरोप है। यह दोनों मिलकर एक अवैध वेबसाइट पर डाले गए लगभग 62 प्रतिशत वीडियो के लिए जिम्मेदार थे। यह वेबसाइट हैक किए गए कैमरों के गलत फुटेज शेयर करती थी। पुलिस उस वेबसाइट को ब्लॉक और बंद करने की कोशिश कर रही है और उसके ऑपरेटर को पकड़ने के लिए विदेशी एजेंसियों से मदद ले रही है। इसके अलावा, 3 और लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिन पर इस वेबसाइट से गलत कंटेंट खरीदने और देखने का शक है।

संसद में एसआईआर पर शोर, दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित, विपक्ष ने लगाए 'वोट चोर–गद्दी छोड़' के नारे

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)। आज संसद के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन है, जहां सरकार कुछ महत्वपूर्ण विधेयकों को पेश करने की दिशा में आगे बढ़ सकती है। हालांकि, दोनों सदनों में एसआईआर को लेकर विपक्ष का हंगामा जारी है। एसआईआर पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसदों की नारेबाजी के बाद राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही भी दोपहर 2:00 बजे स्थगित हो गई है। संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन की तैयारियों के बीच कांग्रेस और अन्य विपक्षी सांसदों ने मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

लोकसभा में सुबह 11 बजे जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, विपक्षी सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ 'वोट चोर, गद्दी छोड़ो' का नारा लगाना जारी रखा और मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग की। सदस्यों से मर्यादा बनाए रखने का आह्वान करते हुए, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि विपक्ष की गतिविधियों पर पूरा देश नज़र रख रहा है। अध्यक्ष बिरला ने कहा कि सदस्यों, मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि प्रश्नकाल महत्वपूर्ण है, कृपया इसे चलने दें। मैं देख रहा हूँ कि आप सदन के अंदर और बाहर जिस तरह से विरोध कर रहे हैं, वह संसद या देश के हित में नहीं है।

संसद में विपक्ष की नारेबाजी दूसरे दिन भी जारी रही। सोमवार के सत्र में भी बार-बार कार्यवाही स्थगित हुई थी और पूरे दिन विधायी कार्य एक घंटे से भी कम समय के लिए हुआ था। प्रश्नकाल के दौरान, ज़ोरदार नारेबाजी के बावजूद मंत्री सवालों के जवाब देते रहे।

अब पाकिस्तान के पार तक मार करेगी ब्रह्मोस, बंगाल की खाड़ी में मिसाइल का सफल कॉम्बैट लॉन्च

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)। भारतीय थलसेना की दक्षिणी कमांड ने बंगाल की खाड़ी में ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल का सफल कॉम्बैट लॉन्च किया। सेना के अनुसार, यह परीक्षण सिर्फ तकनीकी मूल्यांकन नहीं बल्कि युद्ध जैसी स्थिति में मिसाइल की वास्तविक क्षमता दिखाने के उद्देश्य से किया गया था। मिसाइल ने 3457.44 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरते हुए समुद्र में स्थित लक्ष्य को एक मीटर के सर्कुलर एरर प्रॉबेबल के भीतर सटीकता से भेदा। सेना ने इसे भारत की लंबी दूरी की प्रिसीजन स्ट्राइक क्षमता और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रदर्शन बताया तथा इसे 'बैटल रेडी भारत' की भावना को समर्पित क्षण करार दिया।

ब्रह्मोस ऑर्गनाइजेशन द्वारा विकसित यह मिसाइल भारत-रूस का संयुक्त प्रोजेक्ट है, जिसका नाम ब्रह्मपुत्र और मॉस्कवा नदियों के शुरुआती अक्षरों पर आधारित है। 1998 में शुरू हुए इस प्रोजेक्ट को पहली बार 2005 में नौसेना में शामिल किया गया। आरंभिक संस्करण की रेंज 290 किमी तक थी, जिसे मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजीम प्रतिबंधों के कारण सीमित रखा गया था।

2016 में भारत के MTCR में शामिल होने के बाद इसकी रेंज को क्रमिक रूप से बढ़ाया गया। पहले 450-500 किमी रेंज वाला एक्सटेंडेड वर्जन विकसित हुआ और 2017 में सफल परीक्षण किया गया। वर्ष 2025 में 800 किमी रेंज वाले कॉम्बैट लॉन्ग रेंज संस्करण ने अपनी क्षमता प्रदर्शित की, जिसका पहली बार मई 2025 में ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान वास्तविक युद्ध में उपयोग हुआ। यह मिसाइल ज़मीन, समुद्र, हवा तथा पनडुब्बी से लॉन्च की जा सकती है, यही कारण है कि थल, वायु और नौसेना तीनों सेनाओं में इसका उपयोग होता है।

ताज़ा वर्जन में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं–

-रेंज में वृद्धिः अब 800 किमी तक मार की क्षमता, जिससे भारत के पश्चिमी तट से पाकिस्तान के प्रमुख शहर भी इसके दायरे में आते हैं।

- वजन में कमीः पूर्व में 3000 किलोग्राम वजन वाली मिसाइल अब लगभग 1200-1500 किलोग्राम हल्की हो गई है। इससे तेजस जैसे हल्के लड़ाकू विमान भी इसे ले सकेंगे, जबकि Su-30MKI एक साथ चार मिसाइलें ले जा सकता है।

-इंजन और फ्यूल सिस्टम अपग्रेडः मॉडिफाइड रैमजेट इंजन और बड़े फ्यूल टैंक की वजह से यह 15 किमी की ऊंचाई से लेकर मात्र 10 मीटर की बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भर सकती है। यह रडार निगरानी से बचने में मददगार है।

- स्वदेशीकरणः टारगेटिंग सीकर, बूस्टर और एयरफ्रेम भारतीय कंपनियों द्वारा विकसित किए गए हैं।

- डुअल रोल क्षमताः यह मिसाइल समुद्री जहाज़ों तथा जमीन आधारित ठिकानों दोनों को निशाना बनाने में सक्षम है।

सुरंग में फंसी चेन्नई मेट्रो ट्रेन, यात्रियों को पैदल जाने को होना पड़ा मजबूर, सामने आया वीडियो

चेन्नई,02 दिसंबर(एजेंसी)। चेन्नई मेट्रो की ब्लू लाइन पर मंगलवार सुबह बड़ी तकनीकी खराबी देखने को मिली। एक मेट्रो ट्रेन अचानक सुरंग में ही रुक गई, जिसके बाद यात्री दहशत में आ गए। यह घटना पुरात्ची थलाइवर डॉ. एम.जी. रामचंद्रन सेंट्रल मेट्रो स्टेशन के पास हुई।

ट्रेन चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से विम्को नगर जा रही थी, तभी कुछ पल के लिए लाइट चली गई और मेट्रो करीब 500 मीटर पहले ही अंडरग्राउंड टनल में फंस गई। यात्री करीब 10 मिनट तक ट्रेन के अंदर ही अटके रहे और स्थिति समझने की कोशिश करते रहे।

इसके बाद ट्रेन में अनाउंसमेंट किया गया कि तकनीकी दिक्कत के कारण ट्रेन आगे नहीं चल सकेगी। यात्रियों को टनल के अंदर बने वॉकवे के रास्ते सबसे नजदीकी स्टेशन हाईकोर्ट मेट्रो तक पैदल ले जाया गया। चेन्नई मेट्रो रेल के कर्मचारी और टेक्निकल टीम मौके पर पहुंचकर यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुट गई।

चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड ने बताया कि खराबी तकनीकी वजहों से हुई थी, जिसे बाद में ठीक कर दिया गया। आधे घंटे तक ब्लू लाइन की सेवाएं बाधित रहीं, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी।

सीएमआरएल ने बयान जारी कर कहा कि ब्लू लाइन पर एयरपोर्ट से विम्को नगर डिपो तक की सेवाएं अब सामान्य रूप से चल रही हैं। ग्रीन लाइन पर भी सभी ट्रेनें शेड्यूल के अनुसार ऑपरेट हो रही हैं। इसके साथ ही, इस घटना की विस्तृत जांच और भविष्य में ऐसी समस्या दोबारा न हो, इसके लिए इंटरनल असेसमेंट शुरू कर दिया गया है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी यह घटना बड़ी चर्चा में है।

बम की धमकी मिलने पर मुंबई में फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, हैदराबाद से कुवैत जा रहा था विमान

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)। हैदराबाद से कुवैत जा रही इंडिगो की एक उड़ान को मुंबई में आपात स्थिति में उतारना पड़ा। जानकारी के अनुसार, विमान के उड़ान भरने के कुछ समय बाद एक ईमेल प्राप्त हुआ जिसमें विमान में 'मानव बम' होने की धमकी दी गई थी। संदेश मिलते ही सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कदम उठाते हुए फ्लाइट को मुंबई की ओर मोड़ दिया।

बताया गया कि मंगलवार सुबह इंडिगो की यह उड़ान हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कुवैत के लिए रवाना हुई थी। उड़ान के बाद मिले ईमेल में बम की मौजूदगी का दावा किया गया, जिसके आधार पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को तुरंत डायवर्ट कर आपात लैंडिंग कराई। विमान सुरक्षित उतर चुका है और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। यात्रियों को आगे की यात्रा के लिए वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, लैंडिंग के बाद विमान को अलग पार्किंग क्षेत्र (आइसोलेशन बे) में ले जाकर सुरक्षा जांच शुरू कर दी गई है। बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियां विमान की पूरी तरह से जांच कर रही हैं। शुरुआती जांच में अब तक किसी भी संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक का पता नहीं चला है।

केआईआईटी यूनिवर्सिटी में नेपाली छात्रों के बाद अब छत्तीसगढ़ के छात्र की मिली लाश, जांच में जुटी ओडिशा पुलिस

रायगढ़ , 02 दिसम्बर (एजेंसी)। भुवनेश्वर की मशहूर कलिंगा यूनिवर्सिटी से एक और दुखद खबर सामने आई है. कंप्यूटर साइंस का पहला साल पढ़ रहे राहुल यादव नाम के छात्र की मौत उसके हॉस्टल कमरे में हो गई. पुलिस का कहना है कि यह इस साल यूनिवर्सिटी में होने वाली तीसरी ऐसी संदिग्ध मौत है. राहुल छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से था और कुछ महीने पहले ही केआईआईटी में एडमिशन लेकर पढ़ाई शुरू की थी. रविवार देर रात हॉस्टल के छात्रों ने देखा कि राहुल अपने कमरे का दरवाजा काफी देर से नहीं खोल रहा है. उन्होंने कई बार आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. इसके बाद उन्होंने वार्डन को बताया और फिर पुलिस को सूचना दी गई.

मातम में बदलीं खुशियां!, बेटी की विदाई कर लौट रहे परिवार की गाड़ी का हुआ एक्सीडेंट, माता–पिता और चाची की मौत

लुधियाना ,02 दिसंबर (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में बेटी की विदाई कर लौट रहे परिवार की इनोवा गाड़ी ट्रक से टकरा गई। जिससे दुल्हन के माता-पिता और चाची की मौत हो गई। 2 रिश्तेदारों की हालत गंभीर बनी हुई है। परिवार फतेहगढ़ साहिब में सरहिंद का रहने वाला है। दूल्हा जालंधर का रहने वाला है। इस वजह से उन्होंने लुधियाना के मैरिज पैलेस में कार्यक्रम रखा था। वहीं से वे घर लौट रहे थे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

सरहिंद के रहने वाले कारोबारी अशोक नंदा ने बेटी की शादी जालंधर में तय की थी। शादी के लिए लुधियाना के स्टेलोन मनोर पैलेस बुक किया गया था। रविवार-सोमवार की रात को शादी समारोह हुआ। उसके बाद सोमवार सुबह दुल्हन की विदाई हुई। इसके बाद दुल्हन का परिवार भी खुशी-खुशी घर लौटने की तैयारी करने लगा।

कुछ देर बाद दुल्हन के पिता-पिता, चाची और अन्य सदस्य इनेवा क्रिस्टा कार में बैठकर सरहिंद में घर की तरफ निकल पड़े। जब उनकी गाड़ी गांव खाकट में एक फैब्रिक कंपनी के पास पहुंची तो अचानक आगे चल रहे ट्रक ने ब्रेक लगा दिए। ट्रक के ब्रेक लगाते ही इनोवा उसके पीछे टकरा गई। स्पीड तेज होने की वजह से वह कई मीटर तक घिसटती चली गई। इससे कार में सवार पांचों लोग घायल हो गए। दुल्हन के पिता अशोक नंदा, मां किरण नंदा और चाची रेनू बाला की अस्पताल ले जाते वक्त मौत हो गई। वहीं इस घटना में जख्मी मोहन नंदा व शर्मीली नंदा की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें लुधियाना के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीनों मृतकों का आज अंतिम संस्कार किया जाएगा।

दो बाइक में जोरदार भिड़ंत, दो युवकों की मौके पर मौत, 2 गंभीर

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। पूंजीपथरा थाना क्षेत्र के राबो-बिलासखार मार्ग पर आज सुबह केटीएम और स्प्लेंडर बाइक के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्प्लेंडर बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पूंजीपथरा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल भेजा।

वाह वाह

पत्नी (पति से)- शादी के बाद पत्नी को हमेशा खुश रखना चाहिए

पति- शादी करके पत्नी को खुश रखना बड़ी बात नहीं है

बल्कि शादी करके खुद खुश रहना बड़ी बात है....

दुर्ग साइबर थाना की बड़ी कामयाबी, आंध्रप्रदेश से दो साइबर ठग गिरफ्तार, फॉरेक्स ट्रेडिंग में लगाया था 48 लाख का चूना

भिलाई,02 दिसंबर (एजेंसी)। दुर्ग रेंज पुलिस ने फारेक्स ट्रेडिंग निवेश के नाम पर की गई 48 लाख रुपये से अधिक की ठगी का पर्दाफाश किया है। साइबर थाना दुर्ग की टीम ने आंध्रप्रदेश से दो शातिर आरोपितों को गिरफ्तार कर साइबर नेटवर्क को उजागर किया।

आरोपितों के पास से मोबाइल फोन, बैंक पासबुक और एटीएम कार्ड जब्त किए गए। दोनों को न्यायालय में पेश कर केंद्रीय जेल दुर्ग भेज दिया गया है। पुलिस आरोपितों के अन्य साथियों, बैंक खातों और लेनदेन से जुड़ी जानकारी की जांच जारी है। शिकायतकर्ता ने नौ अक्टूबर 2025 को साइबर थाना दुर्ग में रिपोर्ट दर्ज कराई कि इंस्टाग्राम पर फारेक्स ट्रेडिंग में निवेश के लिए भेजे गए एक लिंक पर क्लिक करने के बाद उनसे कुल 48,67,500 रुपये की ठगी कर ली गई। शिकायत पर साइबर सेल ने अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर ट्रैकिंग और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस को आरोपितों की लोकेशन आंध्रप्रदेश में होने की पुष्टि हुई। इसके बाद एक विशेष टीम को जिला अनकापल्ली भेजा गया, जहां से दोनों मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में पी. सत्यनागा मूर्ति (25), निवासी पुलापर्थी, यालामंचली मंडल, जिला अनकापल्ली तथा बालाजी श्रीनू (34), निवासी चिन्ना विधि, तहसील यालामंचली, विशाखापट्टनम शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि समय पर की गई कार्रवाई से गिरोह का बड़ा नेटवर्क भी जल्द सामने आएगा।

8वीं फेल को व्हाइटनर लगा कर दिया था पास, सरकारी नौकरी लगी तो खुल गई पोल

बिलासपुर,02 दिसंबर(एजेंसी)। सालों से दबा एक फर्जीवाड़ा तब उजागर हुआ जब एक युवक के सरकारी नौकरी के दस्तावेज सत्यापन में उसकी असली 8वीं की मार्कशीट सामने आ गई। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सरकंडा में साल 2006 में फेल हुए छात्र के अंक व्हाइटनर से बदलकर उसे पास दिखाया था और स्कूल के रिकार्ड भी उसी हिसाब से दर्ज कर दिए गए थे, ताकि सच कभी बाहर न आए। अब 19 साल बाद जब मूल रिकॉर्ड मिलान हुआ तो पता चला कि छात्र पूरक परीक्षा में भी शामिल नहीं हुआ था और पूरा खेल स्कूल की मिलीभगत से रचा गया था।

शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सरकंडा में तब छात्र रवि कुमार यादव ने कक्षा आठवीं की परीक्षा दिलाई थी। इस दौरान वह दो विषय में फेल हो गया था। इसके बावजूद, स्कूल प्रबंधन की मिलीभगत से छात्र की अंकसूची में मूल अंकों को सफेदा से मिटाकर नए अंक से बदल दिया गया। इससे छात्र को पास दर्शाया गया था। इसी फर्जी मार्कशीट के आधार पर उसे बिना किसी रुकावट के कक्षा नवमी में दाखिला मिल गया। इस बड़े फर्जीवाड़े को दबाए रखने के लिए स्कूल प्रबंधन के आंतरिक रिकॉर्ड में भी उसी अनुरूप हेरफेर किया गया था, ताकि यह राज कभी बाहर न आए।

19 साल बाद खुली पोल–वहीं 19 वर्ष बाद छात्र रवि कुमार की सरकारी नौकरी लग गई और उसका दस्तावेज सत्यापन के लिए डीईओ कार्यालय पहुंचा। जांच के दौरान पता चला की रवि यादव दो विषयों में फेल हो गया था और वह पूरक परीक्षा में भी शामिल नहीं हुआ था। दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया में डीईओ कार्यालय के पास उपलब्ध मूल रिकॉर्ड की जांच में छात्र को अनुत्तीर्ण पाया गया। डीईओ विजय टांडे ने इसे गंभीर कदाचार और शिक्षा के साथ खिलवाड़ मानते हुए तत्कालीन प्राचार्य और संबंधित शिक्षकों को तत्काल नोटिस जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, क्योंकि यह अनैतिक कृत्य मेहनत करने वाले छात्रों के भविष्य पर भारी पड़ सकता है।

ऐसे पता चला स्कूल के रिकॉर्ड में भी की गई है हेराफेरी–सरकंडा स्कूल में छात्र रवि यादव आठवीं में दो विषयों में फेल हो गया था। लेकिन स्कूल स्टाफ की मिलीभगत से फेल मार्कशीट पर व्हाइटनर लगाकर अंक बदल दिए गए और छात्र को इसी आधार पर कक्षा नवमी में प्रवेश दे दिया गया। वहीं डीईओ कार्यालय से स्कूल के दस्तावेज मंगाए गए, तब यह बात भी सामने आई कि स्कूल में दर्ज रिकार्ड में भी फर्जी अंकसूची के अनुरूप अंकों में बदलाव किए गए थे।

ठंड बढ़ने के साथ ही ब्लड प्रेशर के मरीजों की संख्या में इजाफा

बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं मरीज

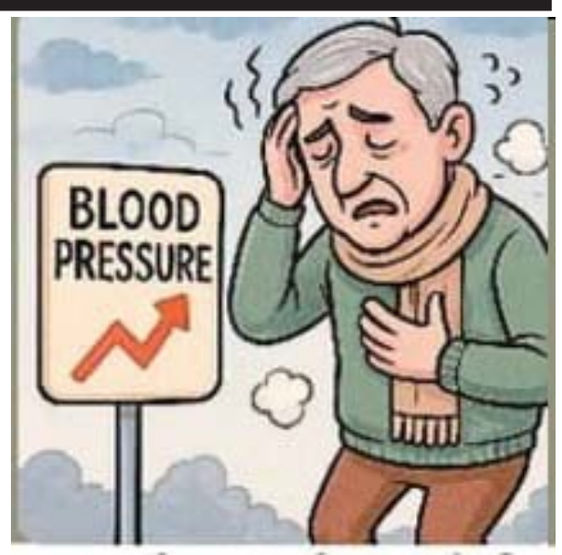

कोरबा (छ.ग.गौरव) । ठंड बढ़ने के साथ ही ब्लड प्रेशर के मरीजों की संख्या अचानक बढ़ गई है। सरकारी और निजी अस्पतालों में पिछले पांच दिनों में ही बड़ी संख्या में मरीज हाइपरटेंशन और लो बीपी की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि तापमान गिरते ही शरीर की रक्त नलिकाएं सिकुड़ जाती हैं, जिससे बीपी का स्तर असामान्य रूप से बढ़ या घट सकता है। डॉक्टरों ने बीपी मरीजों से सतर्क रहने और नियमित जांच कराने की सलाह दी है।

कोरबा में तापमान लगातार नीचे जा रहा है। न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। इसी के साथ स्वास्थ्य समस्याओं में भी बढ़ोतरी दिखने लगी है। अस्पतालों में में पिछले पांच दिनों में 100 से ज्यादा बीपी मरीज पहुंचे हैं। इनमें आधे से अधिक मरीज हाई बीपी, जबकि शेष लो ब्लड प्रेशर की समस्या से जूझते मिले। हालांकि ऐसे मरीजों में 50 की उम्र पार कर चुके ज्यादातर मरीज शामिल हैं, पर इससे युवा भी अछूते नहीं हैं। 30 प्रतिशत से ज्यादा मरीज युवा भी इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार ठंड के मौसम में ब्लड प्रेशर से संबंधित शिकायतें हर वर्ष बढ़ जाती हैं, लेकिन इस बार तापमान अचानक गिरने से मरीजों की संख्या पहले ही हफ्ते में दोगुनी हो गई है। कई मरीज रात या सुबह के समय चक्कर आना, सिरदर्द, सांस फूलना, घबराहट, हाथ-पैर सुन्न होने जैसी समस्याओं के साथ पहुंचे।

ठंड में यह है बीपी की मुख्य वजह

डॉक्टरों के अनुसार ठंड में नसें सिकुड़ जाती हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ने का जोखिम अधिक रहता है। वहीं बुजुर्ग, डायबिटीज मरीज, हृदय रोगी और पहले से बीपी नियंत्रित रखने वाले लोग इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

ठंड में बीपी से ऐसे बचें

- 0 सुबह-सुबह ठंड में अचानक बाहर निकलने से बचें।
- 0 गरम कपड़ों का इस्तेमाल करें, खासकर सिर, कान, हाथ-पैर को ढककर रखें।
- 0 रोजाना बीपी मॉनिटर करें, खासतौर पर सुबह व रात में।
- 0अचानक से गरम कमरे से बाहर या ठंड से गरम जगह पर न जाएं।
- 0 सोडियम (नमक) का सेवन नियंत्रित रखें।
- 0 तरल पदार्थ पर्याप्त मात्रा में लें, ताकि शरीर में डिहाइड्रेशन न हो।

अवरोधों को पार करना, एड्स प्रतिक्रिया को बदलना थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया गया

कोरबा (छ.ग.गौरव) । अजीत वसंत कलेक्टर के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष की भॉति '' अवरोधों को पार करना , एड्स प्रतिक्रिया को बदलना ' थीम के साथ विश्व एड्स दिवस मनाया गया।

विश्व एड्स दिवस पर जिले के मेडिकल कॉलेज, सामु.स्वा.केन्द्रों, प्राथ.स्वा.केन्द्रो तथा शहरी तथा ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्रों में जागरूकता अभियान आयोजित किया गया । जिससे लोगों को एड्स के संबंध में जागरूक किया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.सी.के सिंह, डॉ. बी .आर. रात्रे,जिला टीबी नियंत्रण अधिकारी , डॉ.रविकांत राठोर, नोडल अधिकारी एड्स द्वारा एड्स जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी , कर्मचारी मेडिकल कॉलेज के छात्र -छात्राएँ तथा नर्सिंग कॉलेज के छात्र छात्राए तथा अधिक संख्या मे लोग उपस्थित थे। कलेक्टर अजीत वसंत ने जिले के जनप्रतिनिधियों से आग्रह एवं अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि एड्स संबंध में समाज में जागरूकता अभियान चलाया जाए , अधिक से अधिक संख्या में जॉच अभियान चलाकर एड्स बीमारी को समाप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दें।

तत्काल योजना में आधार ओटीपी प्रमाणीकरण लागू - बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण

बिलासपुर, 2 दिसंबर (एजेंसी)। रेलवे बोर्ड द्वारा तत्काल टिकट योजना में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए आधार आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण को अनिवार्य कर दिया गया है । अब संपूर्ण भारतीय रेलवे की सूचीबद्ध ट्रेनों में तत्काल आरक्षण के दौरान यात्री को अपना आधार ओटीपी सत्यापन पूरा करना आवश्यक होगा । इसी कड़ी में, ट्रेन संख्या 12441 (बिलासपुर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस) की अगली यात्रा गुरुवार, 04 दिसंबर 2025 को निर्धारित है । इस यात्रा के लिए तत्काल बुकिंग 03 दिसंबर 2025 से प्रारंभ होगी । इस ट्रेन के लिए आधार ओटीपी सक्षम करने से संबंधित सभी आवश्यक तकनीकी प्रक्रियाएँ पूरी कर ली गई हैं, तथा यात्री अब अपना आधार विवरण सत्यापित कर ओटीपी आधारित तत्काल टिकट बुक कर सकते हैं । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे नए निर्देशों का पालन करें और तत्काल टिकट लेते समय आधार ओटीपी प्रमाणीकरण अवश्य कराएँ, जिससे उनकी बुकिंग प्रक्रिया तेज़, सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे ।

ड्रोन सर्वे को लेकर उबाल, तीन ग्रामों के ग्रामीणों ने किया पांच घंटे तक थाना घेराव

सहमति के बिना ड्रोन उड़ाने पर जोरदार विरोध, गुरुवार को त्रिपक्षीय बैठक

कोरबा (छ.ग.गौरव) । एसईसीएल दीपका प्रबंधन द्वारा बिना पूर्व सूचना और ग्रामवासियों की सहमति के ड्रोन सर्वे किए जाने पर सराईसिंगार, हरदीबाजार और रेंकी गांवों के ग्रामीणों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। सोमवार दोपहर लगभग 12.30 बजे हरदीबाजार थाना की छत से ड्रोन उड़ाए जाने की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों को मिली, तीनों गांवों के बड़ी संख्या में महिला-पुरुष ग्रामीण दोपहर 1 बजे थाना पहुंचे और करीब पांच घंटे तक घेराव किया।

ग्रामवासियों का आरोप है कि एसईसीएल दीपका प्रबंधन ने हरदीबाजार थाना की छत को सुरक्षित स्थान मानकर सराईसिंगार और हरदीबाजार क्षेत्र का ड्रोन सर्वे शुरू किया था। जबकि कुछ दिन पूर्व ही ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए ड्रोन सर्वे रोकने की लिखित शिकायत थाना में दी थी, और एसईसीएल के वरिष्ठ क्षेत्रीय अधिकारी आर.के. सिंह ने भी आश्वासन दिया था कि ग्रामीणों से चर्चा के बाद ही सर्वे किया जाएगा। इसके बावजूद सर्वे की कोशिश किए जाने से ग्रामीण भड़क उठे। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एसईसीएल दीपका प्रबंधन की दोगली नीति से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है, जिसके चलते उन्होंने थाना परिसर में जमकर नारेबाजी की और मांग की कि बिना सहमति गांव में न सर्वे होगा और न ही किसी प्रकार की नाप-जोख की जाएगी।

तहसीलदार और पुलिस की मौजूदगी में स्थिति हुई शांत-लगातार विरोध के चलते तहसीलदार हरदीबाजार राजभानू सिंह, थाना प्रभारी मृत्यंजय पांडेय और एसईसीएल अधिकारी रौशन मेश्राम मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि गुरुवार को तहसील कार्यालय में एसडीएम पाली, एसईसीएल प्रबंधन और ग्राम प्रतिनिधियों की त्रिपक्षीय बैठक रखी गई है। तब तक ड्रोन सर्वे पूरी तरह रोक दिया गया है। आश्वासन के बाद शाम 5 बजे ग्रामीणों ने घेराव समाप्त किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक पुरुषोत्तम कंवर, अजय दुबे, नरेश टंडन, श्यामू जायसवाल, सराईसिंगार सरपंच सोनसाय भैना, हरदीबाजार सरपंच लोकेश्वर कंवर, रेंकी सरपंच तिजराम उर्रे, व्यास राठौर, विजय साहू, फिरोज खान, पंकज धुर्वा, छोटे लाल पटेल, अनिल टंडन, शिव यादव, कृष्णा पटेल, इशख्क खान, मुकेश नामदेव, चंद्रिका प्रजापति, अजय यादव, राजेश जायसवाल, अरुण राठौर, रामप्रसाद यादव, छत्रभान राठौर, संतोष पोर्ते, जागेलाल, दुर्गेश डिक्सेना, प्रेम डिक्सेना, आशीष अग्रवाल, शम्मी जायसवाल सहित सराईसिंगार, हरदीबाजार और रेंकी के बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि बिना सहमति किसी भी प्रकार का ड्रोन सर्वे या जमीन की नाप-जोख हुई तो वे बड़े स्तर पर उग्र आंदोलन करने मजबूर होंगे।

थाना प्रभारी मृत्यंजय पांडेय ने कहा कि उन्हें ड्रोन सर्वे की कोई सूचना नहीं थी। वे जब दोपहर 3 बजे थाना पहुंचे, तब उन्हें इस कार्रवाई की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि सर्वे किसकी अनुमति से किया जा रहा था, इसकी जांच की जाएगी।

मृत्यंजय पांडेय, थाना प्रभारी

तहसीलदार राजभानू सिंह ने कहा कि एसडीएम पाली के निर्देश पर एसईसीएल प्रबंधन द्वारा ड्रोन सर्वे किया जाना था, लेकिन ग्रामीण विरोध के बाद इसे तुरंत रोक दिया गया। गुरुवार को प्रस्तावित त्रिपक्षीय बैठक में विषय पर विस्तृत चर्चा होगी।

राजभानू सिंह, तहसीलदार

राशिफल

मेष राशि: आज आप में एक नई उमंग और खुशी रहेगी। आप अपना नया व्यापार शुरु करेंगे, आप काम पूरे मन से करेंगे। आज नया अनुभव आप को मिलेगा। मानसिक परेशानी का निवारण होगा, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आपका सामाजिक दायरा, आपका सम्मान भी बढ़ेगा। आप किसी मित्र से सहयोग लेंगे।

वृष राशि: आज का दिन आपका बहुत बढ़िया रहेगा, मन खुश रहेगा। आपको सब्र रखना होगा जिससे आप नई ऊंचाईयों कों छूएंगे। ऑटोमोबाइल के व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। आप को नई धार्मिक जगह का सुख प्राप्त होगा। आप अपने दोस्तों या सहयोगियों के साथ किसी दूर पर जाएंगे। प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े लोगों से आप लाभ की प्राप्ति करेंगे। आपके सगे सम्बन्धियों से मेल-जोल बढ़ेगा।

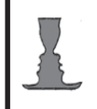

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी चल रही समस्याओं से कुछ राहत मिलेगी तथा आप खुद को ऊर्जावान तथा सकारात्मक महसूस करेंगे। अपने व्यक्तित्व को व्यवस्थित रखने के लिए आत्म मनन भी करना जरूरी है।

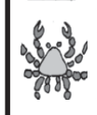

कर्क राशि: आज का दिन सुखमय रहेगा। आप में साहस बढ़ेगा और साहस पूर्ण काम करने में सक्षम रहेंगे। आपको गृह भूमि का लाभ मिलेगा। प्रभावशाली काम को करने का अवसर मिलेगा। जिन्दगी में आज नया कदम उठाने का अवसर मिलेगा। धैर्य से काम करना होगा, जिससे काम का पूरा रिजल्ट मिलेगा।

सिंह राशि: आज आपका दिन खुशियां लाएगा। आप घर पर लोगों के साथ अपना मत रखेंगे और अच्छा फल मिलेगा। संतान के स्वास्थ्य पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। पेट की समस्या के लिए किसी अच्छे डॉक्टर से आप मिलेंगे, जिससे आपको कुछ राहत मिले।

कन्या राशि: आज आपका दिन और अधिक खुशनुमा रहेगा। आप एक नई दिशा में अपना काम करेंगे। नया वाहन खरीदने का विचार दोस्तों से करेंगे, आपको अच्छी सलाह मिलेगी। अन्न धन में बढ़ोतरी होगी। आप जिस पद पर कार्यरत है उस पद से पदोन्नति होगी। नई दिशा में काम करेंगे जिससे आपकी योजना को बढ़ावा मिलेगा।

तुला राशि: आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। नौकरी कर रहे लोगों के लिए आज का दिन लाभकारी है, उन्हें काम से जुड़ी आज बड़ी खुशखबरी मिलेगी। आज गुस्से की बजाए शांति से समस्या सुलझाएं, क्योंकि घर की व्यवस्था उचित बनाए रखने में आपसी सामंजस्य होना बहुत जरूरी है। आज सही योजना के तहत आप अपने करियर में बदलाव लाने में सफल होंगे। आपका खुशनुमा व्यवहार सबको प्रभावित करेगा।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आज परिवार में हर्षोल्लास का माहौल बना रहेगा। आज आपके दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहने से खुशियाँ बढ़ेगी। आज परिवार के लोगों का साथ मिलेगा। जिससे समस्या का समाधान भी मिल जाएगा। आज सेहत के लिहाज से आप चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। आज आपके काम करने की कला से लोग आपसे प्रभावित होंगे।

धनु राशि: आज का आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। आज काम व पारिवारिक रिश्तों के बीच सामंजस्य बनाये रखेंगे। आज किसी काम को पूरा करने के लिए नये तरीकों पर विचार करेंगे। आज व्यावसायिक गतिविधियों में समय अनुसार परिवर्तन करने की जरूरत है। साथ ही कर्मचारियों तथा स्टाफ पर भी अनुशासन रखेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। आज नए वाहन का सुख मिलने के योग हैं।

मकर राशि: आज का दिन खुशियों का नया रास्ता दिखायेगा पारिवारिक सुख सुविधा का लाभ मिलेगा। आप किसी राजनेता से सम्पर्क करेंगे। आज आप फुल कॉन्फिडेंस से अपने सभी रुके कामों कों गति देंगे, अपनी योजना में जोड़ने के लिए आपको अन्य सहयोगियों की जरूरत पड़ सकती है। आप आज भक्तिमय रहेंगे, गौ सेवा करने से सुख मिलेगा और सानिध्य बढ़ेगा।

कुम्भ राशि: आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यापार में रुकी हुई योजनाओं को शुरू करने से आपकी व्यस्तता बढ़ी रहेगी। आज लवमेट लॉन्ग ड्राइव पर जाएंगे, तो एक दूसरे को और अधिक जानने का मौका मिलेगा। आज ऑफिशियल यात्रा करना आपकी तरक्की में सहायक होगा। दांपत्य संबंध सुखद और खुशहाली पूर्ण रहेंगे।

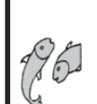

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी बेहतरीन कार्य प्रणाली के अनुकूल परिणाम सामने आएंगे। निश्चित ही सफलता मिलेगी। पार्टनरशिप संबंधी प्रपोजल भी आ सकता है। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आएगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपका काम करीबी दोस्त की सहायता से पूरा हो जायेगा। आप किसी काम को लेकर उत्साहित होंगे, काम आसानी से और समय से पूरा हो जायेगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्री राजवाड़े ने किया बाल सम्प्रेषण गृह का निरीक्षण

कोरबा (छ.ग.गौरव) । महिला एवं बाल विकास मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन, श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े एवं छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा ने कोरबा जिले में संचालित बाल संप्रेषण गृह (बालक), बाल गृह (बालिका) एवं बाल गृह (बालक) का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्रीमती राजवाड़े और अध्यक्ष श्रीमती शर्मा ने बच्चों से संवाद करते हुए उनकी आवश्यकताओं, उपलब्ध सुविधाओं और देखभाल की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने संस्थाओं में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश देते हुए बच्चों के रहने, खाने, स्वास्थ्य, शिक्षा और देखभाल से संबंधित सभी व्यवस्थाओं को पूर्णतः मानक अनुरूप सुनिश्चित करने हेतु संस्था अधीक्षक एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम के सभी प्रावधानों का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। अधिनियम अंतर्गत तैयार किए जाने वाले रिकॉर्ड, पंजी और शासन द्वारा जारी निर्देशों को अद्यतन रखने पर विशेष जोर दिया गया, ताकि बच्चों से संबंधित सभी प्रक्रियाएँ नियमों के अनुरूप संचालित हो सकें। मंत्री एवं अध्यक्ष द्वारा सभी संस्थाओं की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की पर्याप्त उपलब्धता और उनका सुचारु रूप से क्रियाशील रहना सुनिश्चित किया जाए, साथ ही प्रशिक्षित सुरक्षा गार्डों की उचित तैनाती भी आवश्यक है। संस्थाओं के प्रवेश-द्वारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों की नियमित निगरानी को भी अनिवार्य बताया गया, ताकि बच्चों की सुरक्षा में किसी प्रकार की कमी न रहे। निरीक्षण के दौरान मंत्री एवं अध्यक्ष ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बच्चों की सुरक्षा, देखभाल, अधिकार संरक्षण एवं पुनर्वास से संबंधित सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों के लिए सुरक्षित, संवेदनशील और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है और इसे समयबद्ध रूप से पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जाना चाहिए। इस अवसर पर कलेक्टर अजीत वसन्त और डीपीओ बसंत मिंज भी उपस्थित थे।

पार्किंग से बाइक की चोरी

कोरबा (छ.ग.गौरव) । कोतवाली क्षेत्र के मेहर वाटिका के पार्किंग से बाइक की चोरी हो गई। बाइक गुमा गली संजय नगर में रहने वाले अंकित तिवारी की है। वह बाइक पर सवार होकर शादी समारोह में शामिल होने के लिए मेहर वाटिका गया था। पार्किंग में गाड़ी क्रमांक सीजी 12 बीए 1466 को लॉक करके अंदर खड़ी कर चला गया। वापस लौटने पर गाड़ी नहीं मिला। आसपास पतासाजी किया। लेकिन गाड़ी नहीं मिला। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है।

सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी - तकनीक, प्रशिक्षण और संसाधन के साथ-साथ जागरूकता पर भी देना होगा ध्यान - हरीश दुहन

एसईसीएल मुख्यालय में वार्षिक कोयला खान सुरक्षा पखवाड़ा 2025 का उद्घाटन सम्पन्न

बिलासपुर,2 दिसंबर (एजेंसी)। 01 दिसंबर से 14 दिसंबर 2025 तक आयोजित वार्षिक कोयला खान सुरक्षा पखवाड़ा 2025 का उद्घाटन दिनांक 01.12.2025 को एसईसीएल मुख्यालय प्रांगण में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने निदेशक तकनीकी (संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन, विभिन्न विभागाध्यक्षों, अधिकारियों-कर्मचारियों, विभिन्न श्रमसंघ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सुरक्षा ध्वज फहराकर किया गया। मुख्य अतिथि अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी को मिलकर शून्य दुर्घटना लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करते रहने होगा। हम सभी को जाने-अनजाने कोई भी ऐसा काम नहीं करना है जिससे हमारी या हमारे साथियों की जान जोखिम में पड़ जाए और सुरक्षा हम सभी की ज़िम्मेदारी इस विचारधारा के साथ हमें कार्यनिष्पादन करना होगा। खदान में शून्य दुर्घटना लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हमें हरसंभव प्रयास करना होगा और खदानों में कर्मियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना होगा। निदेशक तकनीकी (संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार ने कहा कि सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होने सुरक्षा लक्ष्य के प्राप्ति के लिए कार्यसंस्कृति में अनुशासन और अभिवृत्ति पर ज़ोर दिया। सुरक्षा पखवाड़ा सुरक्षा के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराने, हमारे कर्मियों के प्रयासों को सम्मान देने एवं सुरक्षा को लेकर नए मापदंड स्थापित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है। इस अवसर पर प्रारंभ में अतिथियों द्वारा शहीद स्मारक व खनिक प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस अवसर पर सुरक्षा शपथ का पठन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया जिसे समस्त उपस्थितों ने दोहराया।

कार्यक्रम में शहीद श्रमवीरों के सम्मान में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। मंचस्थ अतिथियों द्वारा 'सुरक्षा से समृद्धि बुकलेट' जिसमें सुरक्षा मानकों का उल्लेख है का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन मनोज कुमार, महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर कुसमुंडा क्षेत्र टीम द्वारा ''सुरक्षा'' विषय पर नाटक का मंचन किया गया जिसमें खदान में कार्य दौरान सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक श्हरीश दुहन ने निदेशक तकनीकी (संचालन) एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (कार्मिक) बिरंची दास, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन ने एसईसीएल के सभी कोयला क्षेत्रों में सुरक्षा सन्देश के प्रसार-प्रचार के लिए सुरक्षा रथ को फ्लेग आफ कर रवाना किया । कार्यक्रम में उद्घोषणा का दायित्व शेख जाकिर हुसैन, मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण) द्वारा निभाया गया।

चिली में प्रवासियों के खिलाफ चल रहा अभियान, पलायन बढ़ते ही पेरू ने की सीमा पर आपातकाल के ऐलान की तैयारी

सैंटियागो,02 दिसंबर (एजेंसी)। चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है।पेरू के राष्ट्रपति जोस जेरी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार देश की दक्षिणी सीमा पर आपातकाल का एलान करेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इलाके में ज्यादा सशस्त्र बलों को तैनात करेगी, क्योंकि बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी चिली से उत्तर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां अप्रवासी विरोधी भावनाएं बढ़ गई हैं।अपने देश में संकट से बचने या विदेश में बेहतर अवसरों की तलाश में लाखों प्रवासी लंबे समय से महाद्वीप और पेरू की सीमा पार कर चिली में नया जीवन बसर करने के लिए आ रहे हैं, जो लैटिन अमेरिका के सबसे स्थिर और समृद्ध देशों में से एक है।चिली में कानूनी दर्जा न रखने वाले बहुत से लोग हैं, इनमें ज्यादातर वेनेजुएला के हैं। ये लोग हाल के वर्षों में अपने देश की आर्थिक बर्बादी और सत्तावादी शासन से बचकर भागे हैं। हालांकि, अब ये दूसरी दिशा में जा रहे हैं, क्योंकि चिली आव्रजन के खिलाफ अपना रुख सख्त करने की तैयारी कर रहा है।14 दिसंबर को चिली में होने वाले राष्ट्रपति पद के दूसरे चरण के चुनाव में जीत के प्रबल दावेदार अति-रूढ़िवादी वकील जोस एंटोनियो कास्ट ने अपना अभियान वेनेजुएला से आने वाले

अप्रवासियों और संगठित अपराध में वृद्धि को लेकर लोगों के डर के इर्द-गिर्द बुना है। उन्होंने पिछले हफ्ते पेरू से लगी चिली की रेगिस्तानी सीमा पर एक अभियान वीडियो फिल्माया, जिसमें बिना औपचारिक दर्जा वाले अप्रवासियों को चेतावनी दी गई है कि जब तक वे ऐसा कर सकते हैं, देश से बाहर निकल जाएं।विज्ञापन में उन्होंने कहा कि आपके पास अपनी इच्छा से चिली छोड़ने के लिए 111 दिन हैं। दिनों की यह मोहलत मौजूदा वामपंथी राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक के बाद नए प्रशासन के कार्यभार संभालने तक की है। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम आपको रोकेंगे, आपको हिरासत में लेंगे, आपको निष्कासित कर देंगे। आप सिर्फ अपने तन पर पहने कपड़ों के साथ ही बाहर निकलेंगे।'जल्द ही पेरू का मीडिया उन प्रवासी परिवारों की तस्वीरों से भर गया जो चिली से पेरू की ओर भाग रहे थे, उनका सामान बैग और कचरे के थैलों में भरा हुआ था। कुछ ही दिनों के भीतर जारी ने सीमा नियंत्रण का निरीक्षण करने के लिए उसी क्षेत्र का दौरा किया और सुरक्षा अभियान को बढ़ावा देने के लिए सशस्त्र बल भेजे।चिली के उत्तरी सीमावर्ती कस्बों के निवासियों ने बढ़ती अराजकता की सूचना दी है, क्योंकि चिली छोड़कर पेरू में प्रवेश की अनुमति न मिलने पर भी लोगों की भीड़ अनिश्चितता में फंसी हुई है। शुक्रवार को जारी ने क्षेत्र में आपातकाल की घोषणा करने के लिए अपने मंत्रिमंडल की बैठक बुलाई।इस बात का कोई स्पष्ट आंकड़ा नहीं है कि कास्ट की सामूहिक निर्वासन की धमकियों और आव्रजन वकीलों के अनुसार, 18.5 मिलियन की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश में विदेशी लोगों के प्रति बढ़ती नफरत की पृष्ठभूमि में कितने लोगों ने चिली छोड़ने का फैसला किया है।शुक्रवार को कास्ट ने एक नया वीडियो जारी किया जिसमें उन्होंने अप्रवासियों के लिए अपनी चेतावनी दोहराई और बोरिक से दखल देने का आग्रह किया। जब पूछा गया कि कास्ट के बयानों से प्रवासियों के पलायन पर क्या असर पड़ा, तो चिली के सुरक्षा मंत्री लुइस कॉर्डेरो ने जवाब दिया कि कभी-कभी बयानबाजी के नतीजे आते हैं।उन्होंने कहा कि चुनावों में विवाद पैदा करने के लिए लोगों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य मानवीय संकट को रोकना है।

पाकिस्तान के क्वेटा में फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय पर आत्मघाती हमला, 6 जवानों की मौत

इस्लामाबाद,02 दिसंबर (एजेंसी)। पाकिस्तान में बलूचिस्तान प्रांत के नोकुंडी इलाके में स्थित चगाई फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय के मुख्य दरवाजे पर सोमवार सुबह बड़ा आत्मघाती हमला हुआ। इसमें 6 जवानों की मौत हो गई। यह हमला कथित तौर पर बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट की सादओ ऑपरेशनल बटालियन द्वारा किया गया। हालांकि, उसने अभी तक इसकी अधिकारिक जिम्मेदारी नहीं ली है। विस्फोट इतना जबरदस्त था कि मुख्य द्वार पूरी तरह नष्ट हो गया।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि मुख्य प्रवेश द्वार पर आतंकियों ने वाहन पर आत्मघाती विस्फोटक उपकरण लगाकर हमला किया। हमले के तुरंत बाद हथियारबंद हमलावर फ्रंटियर कॉर्प्स मुख्यालय में घुस गए। मुख्यालय परिसर के भीतर अभी भी गोलीबारी और झड़पें जारी हैं। स्थिति को अत्यंत तनावपूर्ण बताया गया है। हमले के देखते हुए सभी संबंधित अस्पतालों में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। घटनास्थल पर सहायता के लिए क्वेटा से दो हेलीकॉप्टर रवाना किए गए हैं।

हाल में बीएलए ने पाकिस्तानी सुरक्षा ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 11 मार्च को उस समय हुई, जब उग्रवादियों ने करीब 440 यात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन पर बड़ा हमला किया था। उसके बाद यह ट्रेन लगातार निशाने पर बनी रही। जून, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर के महीनों में भी इस ट्रेन को लक्ष्य बनाते हुए कई धमाके और रॉकेट हमले किए गए थे, जिसमें कई यात्रियों की मौत हो गई थी।

श्रीलंका में बाढ़ और भूस्खलन से 56 की मौत, स्कूल-कार्यालय बंद, सड़क और रेलमार्ग कटा

कोलंबो,02 दिसंबर (एजेंसी)। श्रीलंका में पिछले कुछ दिनों से जारी तेज बारिश की वजह से बाढ़ के हालात बन गए हैं और जगह-जगह भूस्खलन की खबरें आ रही हैं। आपदा को देखते हुए सरकार ने शुक्रवार को सरकारी कार्यालय और स्कूल बंद कर दिए हैं। देशभर में बाढ़ और भूस्खलन के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गई है, जबकि कई लापता हैं। 600 से अधिक घर क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। सड़क मार्ग बंद होने से बचाव कार्य बाधित है।सबसे अधिक 25 मौतें बादुल्ला और नुवारा एलिया में हुई हैं, जहां भूस्खलन की चपेट में आकर कई लोग दब गए थे। यह मध्य पर्वतीय चाय उत्पादक क्षेत्र राजधानी कोलंबो से करीब 300 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। सरकारी आपदा प्रबंधन कार्यालय के मुताबिक, बादुल्ला और नुवारा एलिया क्षेत्रों में 21 लोग लापता हैं और 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विभाग की ओर से उच्च जोखिम वाले 8 जिलों में भूस्खलन का रेड अलर्ट जारी है।श्रीलंका के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण जलाशय और नदियां उफान पर हैं, जिससे सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। सड़कों और रेल पटरियों पर चट्टानें और पेड़ गिरे पड़े हैं। अधिकारियों ने देश के कई हिस्सों में यात्री ट्रेनें रोक दीं और सड़कें बंद कर दीं हैं। बताया जा रहा है कि खराब मौसम के कारण देश के 17 जिलों में 4,000 से अधिक लोग प्रभावित हैं। वायुसेना हेलीकॉप्टर से बाढ़ से घिरे लोगों को बचा रही है।स्थानीय प्रशासन ने कई लोगों को बचाकर अस्थायी शिविरों में भेजा है। निचले स्थानों पर रह रहे लोगों को ऊंचे स्थानों पर पहुंचने की सलाह दी गई है। बताया जा रहा है कि श्रीलंका में अभी उत्तर-पूर्वी मानसून आया है,

अमेरिका में ग्रीन कार्ड साक्षात्कार के बहाने गिरफ्तारी, कार्यालय से प्रवासियों को पकड़ रहीं एजेंसियां

वाशिंगटन,02 दिसंबर (एजेंसी)। अमेरिका में संघीय एजेंसियों के लिए ग्रीन कार्ड प्रवासियों को गिरफ्तार करने का जाल बन गया है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि जो प्रवासी ग्रीन कार्ड के लिए साक्षात्कार देने सैन डिएगो स्थित अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) कार्यालय पहुंच रहा है, उसे हिरासत में लिया जा रहा है। इसमें अधिकतर वे लोग शामिल हैं, जो अमेरिकी नागरिक से शादी करके ग्रीन कार्ड पाने के हकदार बने हैं।आव्रजन वकील समन नासेरी ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि संघीय एजेंसियों ने साक्षात्कार के दौरान वीजा अवधि से अधिक समय तक अमेरिका में रहने वालों को गिरफ्तार करना शुरू किया है। पिछले हफ्ते साक्षात्कार के दौरान उनके 5 मुवक्किलों को हिरासत में लिया गया था, जबकि उनका कोई आपराधिक इतिहास या गिरफ्तारी नहीं है। उन्होंने कहा कि आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) और यूएससीआईएस ने नीति लागू की, जिसके तहत साक्षात्कार के दौरान गिरफ्तारी हो रही है।

एक अन्य वकील हबीब हसबिनी ने भी ऐसे अनुभवों की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि उन्हें गिरफ़्तार किए गए लोगों के ढेरों फोन कॉल आ रहे हैं। हसबिनी ने सिफारिश की कि जिन लोगों के पास ग्रीन कार्ड साक्षात्कार निर्धारित हैं, उन्हें भी इसमें भाग लेना चाहिए और संभावित हिरासत के लिए सतर्क और तैयार रहना चाहिए। उन्होंने हिरासत में लिए जाने की स्थिति में परिवार और काम के लिए व्यवस्था करने का सुझाव दिया है। आव्रजन वकील टेसा कैबरेरा ने बताया कि उनके मुवक्किल 2002 से अमेरिका में रह रहे।

ट्रंप की पहल से रुकेगा एक और संघर्ष, अफ्रीकी देश अमेरिका में शांति समझौते पर करेंगे हस्ताक्षर

वॉशिंगटन,02 दिसंबर (एजेंसी)। संघर्ष कांगो सरकार की सेना और 100 से ज्यादा विद्रोही संगठनों के बीच हो रहा है। इस विद्रोही संगठनों में सबसे ताकतवर एम23 समूह है, जिसे रवांडा की सरकार का समर्थन हासिल है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक और संघर्ष विराम कराने जा रहे हैं। दरअसल मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अफ्रीकी देश कांगो और रवांडा के राष्ट्रपति अमेरिका में 4 दिसंबर को मिलेंगे और शांति समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। दोनों देशों के बीच संघर्ष रुकवाने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन द्वारा कई महीनों से बातचीत की जा रही थी। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेडी ने बताया कि कांगो किसी भी शांति समझौते पर तभी हस्ताक्षर करेगा, जब इस बात की गारंटी मिले की रवांडा की सरकार एम23 विद्रोही संगठन को कोई समर्थन नहीं देगी।

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

एसईसीएल/दी.क्षे./जीएम/भू-रा./2025/461 दिनांक 29.11.2025

आम सूचना

केन्द्रीय सरकार द्वारा कोयला क्षेत्र (अर्जन एवं विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 की उपधारा (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्राम रेंकी (भाग), हरदीबाजार (भाग), कटकीडबरी (भाग) एवं नवापारा (भाग) की कुल 607.118 हेक्टेयर (लगभग) भूमि को अधिसूचना क्रमांक 5445 (अ) दिनांक 26.11.2025 के माध्यम से अर्जित किया गया है। उक्त अर्जित भूमि पर स्थित मकानों एवं अन्य परिसंपत्तियों का सर्वेक्षण धारा 9 (i) के पश्चात् एसईसीएल दीपका क्षेत्र द्वारा ड्रोन सर्वे के माध्यम से कराकर राज्य शासन को उपलब्ध करा दिया गया है। अतः अर्जित भूमि के सभी भूस्वामियों एवं मकान-मालिकों को सूचित किया जाता है कि- धारा 9(i) के उपरांतः - किसी भी प्रकार का नया निर्माण, नवनिर्माण/पुनर्निर्माण, परिसंपत्तियों का विस्तार, तथा भूमि की खरीद-फरोख्त एवं नामांतरण काननून प्रतिबंधित है और ऐसे सभी कार्य अवैध माने जाएंगे। अवैध रुप से किए गए निर्माण या भूमि की खरीद-फरोख्त एवं नामांतरण पर किसी भी प्रकार का मुआवजा देय नहीं होगा। यह सूचना जनहित एवं विधि संगत कार्यवाही हेतु जारी की जाती है।

क्षेत्रीय महाप्रबंधक,एसईसीएल, दीपका क्षेत्र

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-27112025-268034
CG-DL-E-27112025-268034

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5264] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 26, 2025/अग्रहायण 5, 1947
No. 5264] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 26, 2025/AGRAHAYANA 5, 1947

कोयला मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 2025

का.आ. 5445(अ).— केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन जारी भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 286(अ), तारीख 15 जनवरी 2025 जो भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) तारीख 15 जनवरी 2025 में प्रकाशित की गई थी, उस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट 607.118 हेक्टर (लगभग) या 1500.19 एकड़ (लगभग) भूमि और उसमें या उस पर के सभी अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का, पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और छत्तीसगढ़ सरकार से पुनः परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट 607.118 हेक्टर (लगभग) या 1500.19 एकड़ (लगभग) मापवाली भूमि और उसमें या उस पर के सभी अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट 607.118 हेक्टर (लगभग) या 1500.19 एकड़ (लगभग) मापवाली भूमि के सभी अधिकार अर्जित किए जाते है;

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक धारक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(एल एंड आर)/भूमि/25 तारीख 23 अक्टूबर 2025 का निरीक्षण कलेक्टर कोरबा (छत्तीसगढ़) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, कोयला नियंत्रक का संगठन, कोयला मंत्रालय, स्कोप मीनार, 5वीं मंजिल, कोर-2, लक्ष्मी नगर, नई दिल्ली 10092 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोलफिल्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सीपत रोड, बिलासपुर 495006, छत्तीसगढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है।

अनुसूची

दीपका ओपनकास्ट परियोजना (40 मिलियन टन प्रतिवर्ष)
दीपका क्षेत्र, साउथ ईस्टर्न कोलफ़ील्ड्स लिमिटेड
जिला कोरबा छत्तीसगढ़
[रेखांक धारक संख्या एसईसीएल/बीएसपी/जीएम(एल एंड आर)/भूमि/25 तारीख 23 अक्टूबर 2025]

सभी अधिकार:

राजस्व भूमि:

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	पटवारी हल्का संख्या	तहसील	जिला	राज्य	अधिसूचित क्षेत्र (हेक्टेयर में)	टिप्पणियां
1.	रेंकी	13	हरदीबाज़ार	कोरबा	छत्तीसगढ़	191.761	भाग
2.	हरदीबाज़ार	15	हरदीबाज़ार	कोरबा	छत्तीसगढ़	189.985	भाग
3.	सरईसिंगार	14	हरदीबाज़ार	कोरबा	छत्तीसगढ़	179.680	भाग
4.	कटकीडबरी	52	दीपका	कोरबा	छत्तीसगढ़	32.762	भाग
5.	नवापारा	52	दीपका	कोरबा	छत्तीसगढ़	12.930	भाग
कुल 607.118 हेक्टेयर (लगभग) या 1500.19 एकड़ (लगभग)							

कुल क्षेत्र: 607.118 हेक्टेयर (लगभग) या 1500.19 एकड़ (लगभग)

1. **ग्राम रेंकी (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्या:**

1(भाग), 2 से 55, 59(भाग), 62 से 287, 288(भाग) 289 से 297, 298(भाग), 299(भाग), 306(भाग), 338(भाग), 340(भाग), 341(भाग), 342(भाग), 580(भाग), 581 से 585, 586(भाग), 591(भाग), 600(भाग), 601, 602(भाग), 603(भाग), 604 से 669, 690 से 696, 699, 703, 705 से 718, 719(भाग), 720 से 729, 730(भाग), 731(भाग), 747(भाग), 748, 749, 750(भाग), 752, 753, 754, 755, 756, 757, 758, 759(भाग), 760(भाग)।

2. **ग्राम हरदीबाज़ार (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्या:**

152 से 163, 171, 292, 296, 300 से 318, 333 से 337, 344 से 353, 360 से 672, 674(भाग), 707(भाग), 708(भाग), 709, 710, 711 (भाग), 712 से 727, 728(भाग), 729 से 732, 733 (भाग), 734(भाग), 797(भाग), 798(भाग), 799 से 868, 869(भाग), 870, 871, 872(भाग), 873 से 900, 901(भाग), 906(भाग), 931, 933(भाग), 934 से 941, 942(भाग), 943, 944, 945, 946(भाग), 950(भाग), 951, 952(भाग), 953(भाग), 959(भाग)।

3. **ग्राम सरईसिंगार (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्या:**

1 से 292, 293(भाग), 294(भाग), 295(भाग), 296, 297, 298(भाग), 300(भाग), 301 से 320, 321 (भाग), 322, 323(भाग), 326(भाग), 327, 328, 329, 330(भाग), 366(भाग), 367(भाग), 378(भाग), 379(भाग), 380 से 382, 383(भाग), 384(भाग), 385(भाग), 386 से 388, 389(भाग), 390 से 421, 422(भाग), 426(भाग), 427(भाग), 428 से 431, 432(भाग), 433(भाग), 434 से 441, 442(भाग), 443(भाग), 444(भाग), 446(भाग)।

4. **ग्राम कटकीडबरी (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्या:**

1 से 8, 9(भाग), 10 से 68, 69(भाग), 71(भाग), 72(भाग), 73(भाग), 75/1(भाग), 120/1(भाग), 124(भाग), 125 से 129, 130(भाग), 132(भाग), 133(भाग)।

5. **ग्राम नवापारा (भाग) में अर्जित किये जाने वाले प्लाट संख्या :-**

1 से 11, 12(भाग) (शामिल 29), 13/1(भाग) (शामिल 18), 13/2, 13/3, 13/4, 14, 15, 16(भाग), 17(भाग), 19(भाग), 30, 31/1(भाग), 33(भाग), 34/1(भाग), 34/3, 34/4(भाग), 34/5, 35(भाग), 40(भाग)।

सीमा वर्णन:

ग्राम रेंकी (भाग)

अ-ब: रेखा बिन्दु 'अ' ग्राम रेंकी के खसरा नंबर 1/1 भाग उत्तर सीमा से शुरू होकर दक्षिण दिशा की ओर चल कर बिन्दु 'ब' पर मिलती है।

ब–स: रेखा बिन्दु ब ग्राम रेंकी के खसरा नंबर 1/1 भाग उत्तर दक्षिण से शुरू होकर दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर चल कर बिन्दु 'स' पर मिलती है।

यह लाइन प्लाट नम्बर 1/11 ,306 भाग, 299 भाग, 298 भाग, 288 भाग से गुजरती हुई दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर चलती हुई बिन्दु 'स' पर मिलती है।

स-द: रेखा बिन्दु 'स' ग्राम रेंकी के खसरा नंबर 288 भाग के दक्षिण-पूर्व से सीमा रेखा चलकर ग्राम रेंकी और हरदीबाज़ार की ग्राम सीमा पर बिन्दु 'द' पर मिलती है।

यह लाइन प्लाट नंबर 288 भाग, 287, 286 भाग, 234, 341 भाग, 342 भाग, 580 भाग, 586 भाग, 591 भाग, 603 भाग, 602 भाग, 600 भाग, 730 भाग, 731 भाग, 751, 747 भाग, 748, 760 भाग, 759 भाग, 719 भाग होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से सीमा रेखा से चलकर ग्राम रेंकी और हरदीबाज़ार की ग्राम सीमा पर बिन्दु 'द' पर मिलती है।

ग्राम हरदीबाज़ार (भाग)

द–ई : रेखा बिन्दु 'द' ग्राम हरदीबाज़ार एवं रेंकी की सम्मिलित सीमा रेखा खसरा नंबर 719 से सीमा रेखा शुरू होकर दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर सीमा रेखा चलकर बिन्दु 'ई' पर मिलती है

यह लाइन ग्राम हरदीबाज़ार भाग के प्लाट नंबर 719, 674 भाग, 669/1 भाग, 706/4, 705 भाग, 708 भाग, 711/3 भाग, 733 भाग, 734/2 भाग, 728/1 भाग, 797 भाग, 798 भाग, 901 भाग, 933 भाग, 931, 942/2 भाग, 942/1 भाग, 946/3 भाग, 946/1 भाग, 950 भाग, 953 भाग, 952/2 भाग, 872 भाग, 869 भाग, 959 भाग से होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से सीमा रेखा से चलकर ग्राम हरदीबाज़ार और सरईसिंगार की ग्राम सीमा पर बिन्दु 'ई' पर मिलती है।

ग्राम सरईसिंगार (भाग)

ई -फ : रेखा बिन्दु 'ई' ग्राम हरदीबाज़ार एवं सरईसिंगार की सम्मिलित सीमा रेखा खसरा नंबर 323 भाग से शुरू होकर दक्षिण-पूर्व दिशा की ओर बिन्दु 'फ' पर मिलती है।

यह लाइन ग्राम सरईसिंगार भाग के प्लाट नंबर 323 भाग, 321 भाग, 326 भाग, 330/1 भाग, 300 भाग, 298 भाग, 295 भाग, 293/2 भाग, 366 भाग, 367 भाग, 385 भाग, 384 भाग, 383 भाग, 379 भाग, 418, 422 भाग, 426 भाग, 427 भाग, 432 भाग, 433 भाग, 446 भाग, 443 भाग, 442 भाग से होकर दक्षिण-पूर्व दिशा से सीमा रेखा से चलकर ग्राम सरईसिंगार एवं ग्राम कटकीडबरी की ग्राम सीमा पर बिन्दु 'फ' पर मिलती है।

ग्राम कटकीडबरी (भाग)

फ-ज : रेखा बिन्दु 'फ' ग्राम सरईसिंगार एवं ग्राम कटकीडबरी की सम्मिलित सीमा रेखा खसरा नंबर 7/12 से शुरू होकर दक्षिण -पूर्व दिशा की ओर चलकर बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

यह रेखा प्लाट नंबर 7/12 भाग, 75 भाग, 9 भाग, 73 भाग, 69 भाग, 71 भाग, 67, से चलकर बिन्दु 'ज' पर मिलती है।

ज-झ : रेखा बिन्दु 'ज' ग्राम कटकीडबरी के प्लाट न. 109 भाग से शुरू होकर दक्षिण-पूर्व दिशा में चलकर ग्राम कटकीडबरी एवं नवापारा की सम्मिलित ग्राम सीमा पर बिन्दु 'झ' पर मिलती है।

यह रेखा प्लाट नंबर 67, 120/1 भाग, 121 भाग, 125/3, 124 भाग, 130 भाग, 132 भाग, 133/2भाग से चलकर ग्राम कटकीडबरी एवं नवापारा की सम्मिलित ग्राम सीमा पर बिन्दु 'झ' पर मिलती है।

ग्राम नवापारा (भाग)

झ-इ : रेखा बिन्दु 'झ' ग्राम कटकीडबरी एवं नवापारा की सम्मिलित सीमा रेखा खसरा नंबर 133/2 भाग से शुरू होकर उत्तर-पूर्व दिशा की ओर चलकर चलकर बिन्दु 'इ' पर मिलती है। यह लाइन ग्राम कटकीडबरी के प्लाट नंबर 132/2 से चलकर ग्राम नवापारा के 40/1 भाग पर बिन्दु 'इ' पर मिलती है।

इ-छ: रेखा बिन्दु 'इ' ग्राम नवापारा के खसरा नं 40/1 भाग से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर चलकर बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

यह लाइन ग्राम नवापारा के खसरा नं 40/1 भाग, 35 भाग, 34 भाग, 33 भाग पर बिन्दु 'छ' पर मिलती है।

छ-क : रेखा बिन्दु 'छ' ग्राम नवापारा के खसरा नं 33 भाग से उत्तर-पूर्व दिशा की ओर चलकर ग्राम नवापारा एवं रलिया की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिन्दु 'क' पर मिलती है।

यह रेखा ग्राम नवापारा के खसरा नं 33 भाग, 31/1 भाग, 12 शामिल 19 भाग, 16 भाग, 17 भाग, 13/1 भाग, 19 भाग से होकर ग्राम नवापारा एवं रलिया की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिन्दु 'क' पर मिलती है।

क-ख: रेखा बिंदु 'क' ग्राम नवापारा के प्लॉट क्रमांक 19/1 भाग से उत्तर-पश्चिम दिशा में चलती हुई ग्राम रलिया, सरसिंगार और कटकीडाबरी की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'ख' पर मिलती है।

यह रेखा ग्राम नवापारा के प्लाट क्रमांक 19/1 भाग, 13/3, 18/2, 3/2ग, 2, 3/3, 1 पर बिन्दु 'क' से ग्राम कटकीडाबरी के प्लाट क्रमांक 53, 49/2, 49/1, 48/2, 48/1, 34/2, 33/2, 32, 31/3, 29, 28, 27, 23, 1 से होते हुए ग्राम रलिया, सरईसिंगार एवं कटकीडाबरी की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिन्दु 'ख' पर मिलती है।

ख-ग: रेखा बिंदु 'ख' ग्राम कटकीडाबरी के प्लॉट क्रमांक 1 से उत्तर-पश्चिम दिशा में चलती हुई ग्राम रलिया और सरईसिंगार की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'ग' पर मिलती है।

यह रेखा ग्राम कटकीडाबरी के प्लाट क्रमांक 1 के बिन्दु 'ख' से चलते हुए ग्राम सरईसिंगार के प्लाट क्रमांक 188/1, 187, 186, 183, 182/1, 182/2, 181, 180, 179, 178/5, 178/7, 178/6, 175/2, 175/8, 174/1, 174/2, 173, 171, 155 से होते हुए ग्राम रलिया और सरईसिंगार की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिन्दु 'ग' पर मिलती है।

ग-घ: रेखा बिंदु 'ग' ग्राम सरईसिंगार के प्लॉट क्रमांक 155 से उत्तर-पश्चिम दिशा में चलती हुई ग्राम हरदीबाजार और सरईसिंगार की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'घ' पर मिलती है।

यह रेखा ग्राम सरईसिंगार के प्लॉट क्रमांक 155 के बिन्दु 'ग' से शुरू होकर प्लॉट क्रमांक 11, 9, 8, 1/1/1, 1/16 से होकर ग्राम हरदीबाजार और सरायसिंगार की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिन्दु 'घ' पर मिलती है।

घ-ङ: रेखा बिंदु 'घ' ग्राम सरईसिंगार के प्लॉट नंबर 1/16 से उत्तर दिशा में चलती हुई ग्राम हरदीबाजार, और आमगांव की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'ङ' पर मिलती है।

यह रेखा ग्राम सरईसिंगार के प्लॉट नंबर 1/16 के बिंदु 'घ' से ग्राम हरदीबाजार के प्लॉट नंबर 361, 360/2 से होकर ग्राम हरदीबाजार और आमगांव की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'ङ' पर मिलती है।

ङ-च: रेखा बिंदु 'ङ' दक्षिण-पश्चिम दिशा में हरदीबाजार ग्राम के प्लॉट नंबर 360/2 से चलती हुई हरदीबाजार और सुवाभोड़ी ग्राम की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'च' पर मिलती है।

यह रेखा हरदीबाजार गांव के प्लॉट नंबर 360/2 बिंदु 'ङ' से चलती हुई ग्राम हरदीबाज़ार के प्लॉट नंबर 360/1, 353, 352, 346, 345, 344, 337, 336, 334, 333, 409, 410, 316, 308, 301, 300, 296, 303, 292, 171, 163, 160, 159, 157/2, 157/1, 156/1, 154/10, 154/14, 154/13, 154/19, 154/20, 152, 153, 669/1, 670 से होते हुए ग्राम हरदीबाजार और सुवाभोड़ी की सम्मिलित ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'च' पर मिलता है।

च-अ: रेखा बिंदु 'च' ग्राम हरदीबाजार के प्लाट न. 670 से शुरू होकर उत्तर-पश्चिम दिशा में चलती हुई ग्राम रेंकी की सीमा रेखा के बिंदु 'अ' पर मिलती है।

यह रेखा गांव हरदीबाजार के प्लॉट संख्या 670 के बिंदु 'च' से चलती हुई ग्राम रेंकी के प्लॉट नंबर 718, 717, 711, 709, 706, 703, 695, 696, 690, 691, 661/2, 660, 661/1, 659, 669, 668, 63/1, 63/2, 63/3, 63/5, 62/1, 62/3, 62/4, 62/5, 62/6, 62/7, 59(भाग), 50, 51/1, 55, 5, 2/1, 1/1 के ग्राम सीमा रेखा के बिंदु 'अ' पर मिलता है।

[फा. सं. 43015/9/2021–एलएआईआर]

डॉ. माणिक चंद्र पंडित, आर्थिक सलाहकार

सम्पादकीय...

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है। निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

सत्ता लोलुपता से आई कांग्रेस बिखराव के कगार पर

योगेंद्र योगी

कर्नाटक में सत्ता के लिए मचा संग्राम कांग्रेस की जगहसाई का कारण बन गया है। मुख्यमंत्री पद के लिए चल रही मारामारी से जाहिर है कि कांग्रेस का अनुशासन से कोई वास्ता नहीं रह गया है। सत्ता की कमजोरी कांग्रेस के बिखराव का कारण बनी हुई है। शिवकुमार धड़ा 2023 में सरकार बनाने के समय तय फॉर्म्युला को लागू करने की मांग कर रहा है। यह निश्चित है कि यदि शिवकुमार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री का पद नहीं मिला तो पार्टी में विद्रोह के हालात पैदा होंगे। पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस में सत्ता को लेकर घमासान मचा हुआ है। कांग्रेस अपने स्थापनाकाल से 70 बार टूटी-बिखरी है। कई बड़े नेताओं ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। पार्टी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है।

वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस के अंदर संकट गहराता चला जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनावी सफलताओं को छोड़ दें बीते 8 सालों में देश की सबसे पुरानी पार्टी की हालत लस्त-पस्त नजर आ रही है। एक ओर जहां कांग्रेस अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की तैयारी कर रही थी तो दूसरी ओर इस पद के दावेदार अशोक गहलोत के समर्थकों ने ही बगावत का झंडा उठा लिया था। सचिन पायलट 28 विधायकों के साथ बागी हो गए थे वो अब कांग्रेस के सिपहसालार नजर आ रहे हैं तो दूसरी ओर गांधी परिवार के बेहद करीबी अशोक गहलोत ने अपने ही समर्थक विधायकों की बगावत पर हाथ खड़े कर दिए।

कांग्रेस में टूट और बगावतों का इतिहास एक लंबा चौड़ा इतिहास रहा है। कांग्रेस का इतिहास ऐसी ढेरों घटनाओं से भरा हुआ, जब कांग्रेस की सत्ता को लेकर हुई टूट से किरकिरी हुई है। मोतीलाल नेहरू और सुभाष से लेकर गुलाम नबी आजाद तक, कांग्रेस में विद्रोह और टूटने इतिहास रहा है। 28 दिसंबर 1985 को अंग्रेज अधिकारी एओ ह्यून की अध्यक्षता में कांग्रेस का गठन किया गय था। इसमें दादा भाई नौरोजी और दिनशा वाचा भी शामिल थे। कांग्रेस का पहला अध्यक्ष व्योमेश चंद्र बनर्जी को बनाया गया था। कांग्रेस बनाने की उद्देश्य ब्रिटिश सरकार और भारत के नेताओं और आम जनता के बीच संवाद कायम करना था। लेकिन बाद में यह पार्टी आजादी के आंदोलन का सबसे प्रमुख मंच बन गई।

साल 1922 में चौरी चौरा कांड की वजह से गांधी जी ने असयोग आंदोलन वापस ले लिया था। ये कांग्रेस के अंदर ही कुछ नेताओं को अच्छा नहीं लगा क्योंकि उनको लगता था। ये आंदोलन अंग्रेज सरकार को उखाड़ फेंकने की स्थिति में आ गया था। इसके बाद इसी साल गया कांग्रेस अधिवेशन हुआ जिसमें तय किया गया कि कांग्रेस के नेता विधान परिषद के चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे। इस फैसले से चितरंजन दास नाराज हो गए। खास बात ये थी कि अधिवेशन उन्हीं की अध्यक्षता में हो रहा था। उन्होंने कांग्रेस छोड़ दी। अगले साल यानी 1923 में उन्होंने नरसिंह चिंतामन केलकर और मोतीलाल नेहरू बिट्ठलभाई पटेल के साथ मिलकर कांग्रेस स्वराज्य पार्टी का गठन किया। जिसके अध्यक्ष चित्तरंजन दास और महासचिव मोतीलाल नेहरू सचिव बनाए गए।

गांधी जी सुभाष चंद्र बोस की नीतियों से सहमत नहीं थे। वो सुभाष की जगह किसी और को कांग्रेस अध्यक्ष बनाना चाहते थे। लेकिन सुभाष चंद्र बोस चाहते थे कि ऐसा अध्यक्ष बने जो अंग्रेजों से सत्ता छीनने के आए मौके को नहीं गंवाए। उस समय देश की प्रमुख हस्तियां भी सुभाष चंद्र बोस को ही कांग्रेस अध्यक्ष पद पर देखना चाहते थे। लेकिन गांधी जी ने पट्टाभि सीतारमैय्या को चुनाव के लिए खड़ा कर दिया। माना जा रहा था कि पट्टाभि सीतारमैय्या आसानी से चुनाव जीत जाएंगे क्योंकि उनको गांधी जी का आशीर्वाद था। लेकिन नतीजे गांधी जी को चौंकाने वाले थे। 203 वोटों से नेता जी सुभाष चंद्र बोस चुनाव जीत गए थे। लेकिन अध्यक्ष होने के बाद भी कांग्रेस के अंदर की गुटबाजी की वजह से परेशान होकर सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस से अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। 1939 में उन्होंने अखिल भारतीय फारवर्ड ब्लाक नाम से अलग पार्टी बनाई। जीवटराम भगवानदास कृपलानी यानी जेपी कृपलानी कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं में से एक थे। आजादी के समय यानी साल 1947 में कृपलानी ही कांग्रेस के अध्यक्ष थे। हालांकि उस समय के घटनाक्रमों पर नजर डालें तो नेहरू और पटेल से वो सिद्धांतों के आधार पर असहमत थे। 1950 में जब कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव हुआ तो नेहरू जेपी कृपलानी का समर्थन किया था। जबकि सरदार पटेल पुरुषोत्तम दास टंडन के पक्ष में थे। इस चुनाव में पुरुषोत्तम दास टंडन की जीत हुई। हार से नाराज और गांधी जी के सपनों को अधूरा होते देख जेपी कृपलानी 1951 से अलग हो गए। उन्होंने किसान मजदूर पार्टी बनाई। बाद में यह समाजवादी पार्टी में मिल गई। सी राजगोपालाचारी स्वतन्त्र भारत के दूसरे गवर्नर जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे। सरदार पटेल के निधन के बाद उनको गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। लेकिन कांग्रेस में मतभेद के चलते उन्होंने 1956 में इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी का गठन किया था।

1959 में कांग्रेस में सबसे बड़ी बगावत हुई और पार्टी बिहार, राजस्थान, गुजरात और ओडिशा में टूट गई। इसके कुछ सालों बाद केएम जार्ज की अगुवाई में केरल कांग्रेस का गठन हुआ। 1967 में चौधरी चरण सिंह ने कांग्रेस से अलग होकर भारतीय क्रांति दल बनाया जिसे आज आरएलडी कहा जाता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को ही 12 नवंबर 1969 को कांग्रेस से बाहर कर दिया गया। यह कांग्रेस के इतिहास की सबसे बड़ी घटना थी। इसके बाद इंदिरा ने नई कांग्रेस (क्र) बनाई। बाद में इसका नाम कांग्रेस आई रखा गया। वर्तमान में यही कांग्रेस है जिसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कहा जाता है। 1984 में राजीव गांधी से नाराज होकर विश्वनाथ प्रताप सिंह ने जनमोर्चा नाम से पार्टी बनाई। जिसके बाद यह भी कई खंड-खंड हो गई जिससे जनता दल, जनता दल (यू), राजद और समाजवादी पार्टी जैसी छोटी पार्टियों का जन्म हुआ।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बस्तर में हो रहा है सुनहरा सवेरा...

नंदन जैन

हिंसा का खेल खेलने वाले नक्सली चौतरफा सरकारी प्रयासों के चलते या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या कार्रवाई में ढेर हो रहे हैं। दूसरी ओर, जिन अंदरूनी इलाकों तक दशकों तक विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी थी, वहां आज सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वास्तविक रूप ले रही हैं।

जब किसी भी समस्या के समाधान के प्रति नेतृत्व की इच्छा शक्ति सच्चे अर्थों में सक्रिय होती है, तो बड़ी से बड़ी चुनौती भी घुटने टेक देती है। नक्सलवाद के संदर्भ में जो परिणाम आज देश देख रहा है, वह केन्द्र और राज्य सरकारों के संकल्पित प्रयासों का ही फल है। जो बस्तर कभी लाल आतंक का प्रमुख गढ़ माना जाता था, वहां अब स्थायी शांति अपना आधार मज़बूत कर रही है।

हिंसा का खेल खेलने वाले नक्सली चौतरफा सरकारी प्रयासों के चलते या तो आत्मसमर्पण कर रहे हैं या कार्रवाई में ढेर हो रहे हैं। दूसरी ओर, जिन अंदरूनी इलाकों तक दशकों तक विकास की रोशनी नहीं पहुंच सकी थी, वहां आज सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं वास्तविक रूप ले रही हैं। पिछली उदासीन सरकारों और स्वार्थी माओवादियों ने जिन आदिवासियों को छला और लोकतंत्र से दूर रखा, वही समुदाय आज विकास की मुख्यधारा में जुड़ रहा है। भले ही नक्सलवाद अब अंतिम सांसें ले रहा हो, लेकिन इसके दशकों पुराने घाव बेहद गहरे हैं। सैकड़ों जवानों और निर्दोष नागरिकों की हत्या, विकास से पूरी पीढ़ियों को वंचित रखना और भय का वातावरण ये सब नक्सलवाद की भयावह विरासत रही है। 2000 के दशक की शुरुआत में इसकी ताकत चरम पर थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे देश की 'सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती' बताया, लेकिन राजनीतिक मजबूरियों और संकल्प के अभाव में कांग्रेस सरकारें इस खतरे पर निर्णायक प्रहार नहीं कर सकीं।

उस दौर में बस्तर से लेकर राजनांदगांव, गरियाबंद और कवर्धा तक आतंक की जड़ें फैल चुकी थीं। नक्सलियों का लक्ष्य दंतेवाड़ा से दिल्ली तक लाल झंडा फहराने का था, जिसे अर्बन नक्सल नेटवर्क से भी समर्थन मिलता था। लेकिन तत्कालीन सरकारों ने इस गंभीर खतरे को नज़रअंदाज़ कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 200 जिले माओवादी आतंक की चपेट में आ गए और विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ।

इसके विपरीत, आज मोदी सरकार 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। सरकार ने स्पष्ट रूप से समझा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को उनके हाल पर छोड़कर देश पूर्ण विकास प्राप्त नहीं कर सकता। मजबूत इच्छा शक्ति और कठोर कार्रवाई के परिणाम आज सामने हैं। आज बस्तर ही नहीं पूरा दंडाकारण्य क्षेत्र विकास का नया अध्याय लिखने को आतुर है। यह क्षेत्र भगवान राम के वनवास काल से जुड़ा है, बस्तर में रामपाल गांव, रामाराम मंदिर (सुकमा), राकसहाड़ा और कांगेर घाटी नेशनल पार्क भी भगवान राम से संबंधित हैं। नक्सलवाद के खग्रास ग्रहण से अब बस्तर मुक्त हो रहा है। अब एक बार फिर यहां भगवान राम का गौरव स्थापित हो रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी के मार्गदर्शन में विष्णुदेव साय सरकार यहां राम राज्य स्थापित के लिए संकल्पित है। यही फर्क है एक तरफ इच्छा शक्ति वाली सरकार और दूसरी तरफ उदासीन शासन की नाकामी। लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश का विपक्ष भी इस सफलता को नकारात्मक चश्मे से देखने में लगा है। कुछ नेता यह भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहे हैं कि बस्तर में उद्योगपतियों के लिए जमीन तैयार करने हेतु नक्सलवाद का सफाया किया जा रहा है। इससे भी अधिक खतरनाक यह है कि कुछ राजनीतिक बयानबाजी नक्सलियों को आदिवासियों का संरक्षक और जंगलों का रक्षक बताने लगती है। यह सीधे-सीधे एक क्रूर, हिंसक विचारधारा को जीवित रखने की कोशिश है जो भविष्य के लिए बेहद खतरनाक संकेत है।

हाल ही में मुठभेड़ में मारे गए दुर्दांत नक्सली कमांडर हिड़मा को लेकर कुछ लोग उसके हमदर्द के रूप में सामने आए हैं। कुछ तो उसे बस्तर का रक्षक तक बताने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन इस राजनीतिक चाल से सावधान रहने की आवश्यकता है। हिड़मा कोई निर्दोष व्यक्ति नहीं था; उसके हाथ सैकड़ों लोगों के खून से सने हुए थे। ऐसे हिंसक व्यक्ति को आदर्श या प्रतीक के रूप में प्रस्तुत करना, उसे महिमामंडित करना—नक्सलवाद को पोषित करने जैसा ही है। यह दुर्दांत हत्यारा बस्तर का आदर्श कैसे हो सकता है?

हद तो तब होती है जब दिग्विजय सिंह जैसे बड़े कांग्रेसी नेता हिड़मा को लेकर सरकार पर सवाल खड़े करते हैं। जिनके मुख्यमंत्री रहते हुए अविभाजित मध्यप्रदेश में बस्तर को 'कालापानी की सजा' कहा जाता था, उस दौरान ही नक्सलियों ने यहां अपनी जड़ें मजबूत कीं। दिग्विजय सिंह के शासनकाल में ही वर्ष 1995 में हिड़मा सहित कई युवा सरकारी उपेक्षा के कारण लाल आतंक की राह पर चल पड़े थे। हमारा स्पष्ट मानना है कि भगवान बिरसा मुंडा, महान योद्धा गुंडाधुर, परलकोट के राजा गेंद सिंह और शहीद वीर नारायण सिंह ही आदिवासी समाज के वास्तविक आदर्श हैं। आदिवासी समाज हिड़मा या बसव राजू जैसे हिंसक व्यक्तियों को अपना हीरो नहीं मान सकता, क्योंकि उसकी परंपरा सदियों से इन्हीं महान नायकों को पूजती आ रही है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

बीएलओ पर काम का बोझ

बिहार में हुए एसआईआर के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई निर्देश दिए। अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर में उन उपायों को लागू किया गया है। इससे बीएलओज पर काम का बोझ बढ़ गया है।

मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) के बीच कई बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) की मौत ने पहले से ही विवादित इस प्रक्रिया में नया आयाम जोड़ दिया है। बुधवार को पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले से शांतिमुनी एक्का नाम की एक बीएलओ के आत्महत्या करने की खबर आई। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर कार्य के दौरान अब तक 28 लोगों की जान जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा काम के अत्यधिक दबाव, भय एवं अनिश्चितता के कारण हुआ है और इसके लिए निर्वाचन आयोग जिम्मेदार है, जिसने अनियोजित ढंग से यह काम थोप दिया। इसके पहले केरल और राजस्थान से भी एक-एक बीएलओ की मृत्यु की खबर आ चुकी है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक बिहार में हुए एसआईआर के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रक्रिया में सुधार के कई निर्देश दिए। अब 12 राज्यों में जारी एसआईआर में उन उपायों को लागू किया गया है। इससे बीएलओज पर सत्यापन तथा उसके बाद डेटा को डिजिटल करने का बोझ बढ़ गया है। दूर-दराज के इलाकों में नेटवर्क की कमजोरी तथा गरीबों की बस्तियों में दस्तावेजों की जांच यातनादायक प्रक्रिया बन गई है। इन सभी कार्यों के लिए समयसीमा तय है। मगर व्यावहारिक दिक्कतों के कारण इसे पूरा करना कई जगहों पर मुश्किल साबित हुआ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के पहले चरण का आधा समय पूरा होने के बावजूद बुधवार तक सिर्फ 16 प्रतिशत फॉर्म्स को डिजिटल किया जा सका।

उत्तर प्रदेश में तो यह संख्या चार प्रतिशत भी कम थी। इसलिए इस आरोप में दम है कि निर्वाचन आयोग ने व्यावहारिक नजरिया नहीं अपनाया। उसने जल्दबाजी में और बिना सभी पक्षों को भरोसे में लिए यह महति कार्य शुरू कर दिया। ममता बनर्जी ने कहा है कि 'पहले जिस प्रक्रिया को पूरा करने में तीन साल लगे थे, अब चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए आयोग ने बीएलओज पर अमानवीय बोझ डाल दिया है।' मुमकिन है कि इस बयान को राजनीति से प्रेरित माना जाए। मगर निर्वाचन आयोग ने व्यावहारिक दृष्टि नहीं अपनाई, यह धारणा मजबूत होती जा रही है।

भारत का आर्थिक विकास– सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रह्लाद सबनानी

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं।

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुन: आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। 'सहकार से समृद्धि' का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकिं भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स?वैच्छिक सदस?यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस?यों की भागीदारी; सदस?यों की आर्थिक भागीदारी; स?वायत?तता और स?वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचना: कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यत: देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यत: छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिती लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यत: निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अत: देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बर्बादी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अत: इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

ऑपरेशन सिंदूर पर बीएसएफ का बड़ा खुलासा! पाकिस्तान ने सीमा से हटाए 72 आतंकी लांचपैड, 118 चौकियां भी हुईं ध्वस्त

जम्मू,02 दिसंबर(एजेंसी)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक (आईजी) शशांक आनंद ने कहा कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना ने सीमा पार पाकिस्तान में भारी तबाही की। जम्मू संभाग में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटी पाकिस्तान की 118 अग्रिम चौकियों को बर्बाद किया। आपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने 72 से ज्यादा आतंकी लांचपैड दूरी वाले इलाकों में शिफ्ट कर दिए हैं। सियालकोट सेक्टर में तीन आतंकी लांचिंग पैड को नष्ट किया गया था, लेकिन अब भी करीब 12 लांचपैड सियालकोट और जफरवाल के डेप्थ एरिया से काम कर रहे हैं। इसी तरह सीमा से दूर दूसरे डेप्थ परिया में 60 लांचपैड काम कर रहे हैं। सेना आपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए पूरी से तैयार है।आईजी आनंद शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपरेशन सिंदूर से हमने पड़ोसी मुल्क को सबक सिखाया है कि अगर वह भविष्य में कोई दुस्साहस करेगा या आतंकी हमला होगा तो उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा। हमने उनके निगरानी तंत्र को भी नष्ट किया। हमारे जवान और अधिकारी किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार और समर्थ हैं। सेना, पुलिस व अन्य सुरक्षा व खुफिया एजेंसियों के साथ समन्वय में दुश्मन की हर हरकत की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने आपरेशन सिंदूर शुरू किया। हमने पाकिस्तान स्थित केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे युद्ध का रूप देते हुए भारत पर हमला किया। बीएसएफ ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए जम्मू संभाग में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे पाकिस्तान की सौ से अधिक चौकियों को नष्ट किया। हमारे जवानों ने अग्रिम मोर्चे पर रहते हुए न सिर्फ दुश्मन के इरादें को विफल बनाया बल्कि सीमांतवासियों के बीच सुरक्षा व विश्वास की भावना को मजबूत बनाया। अपनी जान की परवाह किए बिना सीमा पर डटे रहे। सीमा सुरक्षाबल के दो बलिदानियों मोहम्मद इम्तियाज व दीपक को मरणोपरांत वीरचक्र प्रदान किया गया है। कई अन्य अधिकारियों और जवानों को भी वीरता पुरस्कार प्रदान

किया गया। आइजी आनंद ने कहा कि गत अगस्त में आई भीषण बाढ़ से सीमा सुरक्षाबल के ढांचे को नुकसान पहुंचा। लेकिन इसे अब पहले से बेहतर बना दिया गया है। इस दौरान बीएसएफ के डीआईजी कुलवंत राय शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान क्षेत्र में स्थित लांच पैड और उनमें मौजूद आतंकियों के आंकड़े बदलते रहते हैं। वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास के इलाकों में कोई ट्रेनिंग कैंप नहीं हैं। ये लाचपैड आम तौर पर तब सक्रिय होते हैं जब आतंकियों को (भारत में) भेजना होता है, जिससे उन्हें दो या तीन से ज्यादा समूह में नहीं रखा जाता है। आपरेशन सिंदूर के बाद उन्होंने एक मिक्स्ड समूह बनाया है। जो लोग चाहे वे इस समूह में प्रशिक्षण ले सकते है। अधिकारियों ने कहा कि अगर हम 1965, 1971, 1999 के कारगिल युद्ध या आपरेशन सिंदूर की बात करें तो बीएसएफ को सभी तरह के युद्धों का बेहतर अनुभव है चाहे वह पारंपरिक हो या हाइब्रिड युद्ध।

उत्तर भारत में सर्दी का सितम जारी, चक्रवात दितवाह की भारत में दस्तक, तटीय राज्य हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली, 02 दिसंबर (एजेंसी)। उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी, शीतलहर और घना कोहरा का प्रकोप जारी है, जिसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश (यूपी), और पंजाब सबसे अधिक प्रभावित हैं। मौसम विभाग ने इन क्षेत्रों के लिए अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पंजाब में अगले कुछ दिनों तक शीतलहर की स्थिति बने रहने का पूर्वानुमान लगाया है। दिल्ली, यूपी, हरियाणा और पंजाब के कई शहरों में न्यूनतम तापमान गिरकर एक अंक में (सिंगल डिजिट) पहुंच गया है। इन क्षेत्रों में गलन वाली ठंड और घना कोहरा छाने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा/धुंध रह सकता है।पहाड़ी राज्यों (जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) में तापमान शून्य से नीचे चला गया है, जिससे मैदानी इलाकों में ठंडी हवाएं आ रही हैं। न्यूनतम तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और ओडिशा के अलग-अलग हिस्सों में सुबह के समय घने कोहरे की स्थिति बहुत संभावितहै। चक्रवाती तूफान दितवाह ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है और अब यह भारत के दक्षिणी तटों की ओर बढ़ रहा है, जिससे तमिलनाडु, पुडुचेरी और आंध्र प्रदेश में अलर्ट जारी किया गया है। चक्रवाती तूफान दितवाह आज सुबह तटीय राज्यों

हांगकांग में बहुमंजिला इमारत में लगी आग के बाद 3 दिन का शोक घोषित

हांगकांग,02 दिसंबर (एजेंसी)।हांगकांग के ताई पो जिले में बुधवार दोपहर वांग फुक कोर्ट आवासीय परिसर में लगी भीषण आग में मारे गए 128 लोगों की याद में सरकार ने 3 दिन का शोक की घोषणा की है। इस शोक की शुरुआत एक मिनट का मौन रखकर की गई। आगजनी में 200 से अधिक लोग लापता हैं। बता दें कि हांगकांग की बहुमंजिला रिहायशी इमारतों में लगी यह आग पिछले 76 साल बाद एक बड़ी त्रासदी के रूप में सामने आई है।3 दिवसीय शोक के तहत सरकारी कार्यालयों पर लगे झंटे आधे झुकाए गए हैं। यह आग एक टावर की निचली मंजिलों पर लगी सुरक्षात्मक जाली से शुरू हुई और 7 मंजिल तक फैल गई। शहर के भ्रष्टाचार-रोधी निगरानी निकाय ने परियोजना से जुड़े सलाहकारों और उपठेकेदारों सहित 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। अग्निशमन सेवा प्रमुख एंडी येउंग ने बताया कि सभी 8

इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर बाढ़ और भूस्खलन का कहर

अगम (इंडोनेशिया),02 दिसंबर (एजेंसी)। इंडोनेशिया में बचाव दल को शनिवार को भूकंप और सुनामी से प्रभावित कई तबाह इलाकों में पीड़ितों तक पहुंचने में मुश्किल हुई, और अधिकारियों को डर था कि 248 की कन्फर्म्ड मौत की संख्या और बढ़ सकती है. सूत्रों के मुताबिक मरने वालों की संख्या 250 के पार कर गई है. खराब सड़कों और बंद कम्युनिकेशन लाइनों की वजह से इलाके ज़्यादातर कट गए थे, और राहत के लिए विमान नॉर्थ सुमात्रा प्रांत के सेंट्रल तपनौली जिले और इलाके के दूसरे जिलों में मदद और सप्लाई पहुंचा रहे थे. खराब पुलों और सड़कों और भारी सामान की कमी की वजह से बचाव के काम में भी रुकावट आई.सूत्रों ने कहा कि वेस्ट सुमात्रा के अगम ज़िले में बचाव दल ने और लाशें बरामद कीं. इससे मरने वालों की संख्या 248 हो गई और 100 से ज़्यादा लोग अब भी लापता हैं. पिछले हफ़्ते हुई मॉनसून की बारिश की वजह से नॉर्थ सुमात्रा प्रांत में नदियां अपने किनारे तोड़कर बह गईं. नेशनल डिज़ास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने कहा कि बाढ़ ने पहाड़ी गांव को तहस-नहस कर दिया. लोगों को बहा ले गई और हजारों घर और इमारतें डूब गईं. लगभग 3,000 बेघर परिवार सरकारी शेल्टर में भाग गए. इंडोनेशियाई नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी इस तबाही से निबटने के लिए काफी प्रयास कर रही है. इस बीच बचाव दल ने इंडोनेशिया के नॉर्थ सुमात्रा के बाटू गोडिंग में लैंडस्लाइड से प्रभावित एक गांव में पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं. कीचड़ में दबे लोगों और सामान को वहां से निकाल रहे हैं.

भारत की परंपरा भाईचारे में निहित है, विवाद हमारे स्वभाव में नहीं: आरएसएस चीफ भागवत

मुंबई,02 (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में पड़ना भारत के स्वभाव में नहीं है और देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर दिया है. नागपुर में एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से पूरी तरह अलग है.नागपुर में एक कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से पूरी तरह अलग है. उन्होंने कहा, हमारी किसी से कोई बहस नहीं होती. हम झगड़ों से दूर रहते हैं. झगड़ा करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है. साथ रहना और भाईचारा बढ़ाना हमारी परंपरा है. उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के दूसरे हिस्से टकराव वाले हालात में ही बने हैं.उन्होंने कहा, एक बार कोई राय बन जाने के बाद उस विचार के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं होता. वे दूसरे विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे इज्म कहना शुरू कर देते हैं. भागवत ने यह भी कहा कि भारत की राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से अलग है.उन्होंने जोर देकर कहा, वे राष्ट्र के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे राष्ट्रवाद कहना शुरू कर दिया. राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट, राष्ट्र के पश्चिमी विचार से अलग है. हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह राष्ट्र है या नहीं — यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से मौजूद है.उन्होंने दावा किया, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं. के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं होता. वे दूसरे विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे इज्म कहना शुरू कर देते हैं. भागवत ने यह भी कहा कि भारत की राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से अलग है.उन्होंने जोर देकर कहा, वे राष्ट्र के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे राष्ट्रवाद कहना शुरू कर दिया. राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट, राष्ट्र के पश्चिमी विचार से अलग है. हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह राष्ट्र है या नहीं — यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से मौजूद है.उन्होंने दावा किया, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं. देश पर बहुत ज्यादा गर्व की वजह से दो वर्ल्ड वॉर हुए. इसीलिए कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद घमंड या गर्व से पैदा नहीं हुआ है, बल्कि लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से पैदा हुआ है. उन्होंने ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया जिससे समझदारी आती है और इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ जानकारी से ज्यादा व्यावहारिक समझ और एक सार्थक जीवन जीना जरूरी है. उन्होंने कहा कि सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है. यह एक ऐसी भावना है जो अस्थायी सफलता के विपरीत, जीवन भर बनी रहती है.

महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

गोंदिया, 02 दिसंबर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गोंदिया जिले में शुक्रवार को वरिष्ठ नक्सली अनंत उर्फ विनोद सय्यना समेत 11 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में तीन आरोपियों को जमानत मिली

नई दिल्ली 02 दिसंबर (एजेंसी)। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एक निजी कॉलेज की छात्राओं के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में तीन आरोपियों को जमानत दे दी है। स्वामी चैतन्यानन्द इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास अनिमेष कुमार ने तीनों आरोपियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया।

कोर्ट ने तीनों आरोपियों को बीस-बीस हजार रुपये के मुचलके पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने जिन आरोपियों को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया उनमें श्वेता, भावना और काजल शामिल हैं. कोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर 27 नवंबर को संज्ञान लिया था। दिल्ली पुलिस ने 1077 पेजों की चार्जशीट दाखिल किया है जिसमें 43 गवाह बनाए गए हैं। दिल्ली पुलिस के मुताबिक उसे इस मामले की जांच के दौरान कई डिजिटल सबूत मिले हैं। दिल्ली पुलिस को चैतन्यानंद सरस्वती के मोबाइल फोन से एक व्हाट्सएप ग्रुप के चैट रिकॉर्ड मिले हैं जिसमें वे छात्राओं की तस्वीरों पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने उनके कमरे से एक सेक्स टॉय और पांच पोर्न सीडी भी बरामद की है. दिल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(2), धारा 79, धारा 351(2) और धारा 232 के तहत मामला दर्ज किया है. चैतन्यानंद सरस्वती को आगरा के गिरफ्तार किया गया था. चैतन्यानंद सरस्वती पर आरोप है कि वो आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग की छात्राओं के साथ अश्लील हरकत की थी. कॉलेज के सीसीटीवी कैमरों का एक्सेस चैतन्यानंद सरस्वती के पास था ताकि वो छात्राओं पर नजर रख सके. उसने सुरक्षा के नाम पर सीसीटीवी कैमरे जानबूझकर वाशरुम के पास इंस्टाल करवाया था. सरस्वती पर छात्राओं से अश्लील हरकत करने के अलावा वित्तीय फर्जीवाड़ा करने का भी आरोप है. आरोप है कि सरस्वती ने संबंधित संस्थान की संपत्तियों को निजी कंपनियों पर किराये पर दे रखा था. वो संस्थान की संपत्तियों से महंगी गाड़ियां खरीदता था. उसके कब्जे से पुलिस ने एक बीएमडब्ल्यू कार जब्त की थी. वो महंगी गाड़ियों में लड़कियों को लेकर जाता था

भारत की परंपरा भाईचारे में निहित है विवाद हमारे स्वभाव में नहीं: चीफ भागवत

मुंबई 02 दिसंबर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में पड़ना भारत के स्वभाव में नहीं है और देश की परंपरा ने हमेशा भाईचारे और सामूहिक सद्भाव पर जोर दिया है. नागपुर में एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से पूरी तरह अलग है।नागपुर में एक कार्यक्रम में मोहन भागवत ने कहा कि भारत की राष्ट्रवाद की अवधारणा पश्चिमी सोच से पूरी तरह अलग है। उन्होंने कहा, हमारी किसी से कोई बहस नहीं होती. हम झगड़ों से दूर रहते हैं. झगड़ा करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है. साथ रहना और भाईचारा बढ़ाना हमारी परंपरा है. उन्होंने यह भी कहा कि दुनिया के दूसरे हिस्से टकराव वाले हालात में ही बने हैं.उन्होंने कहा, एक बार कोई राय बन जाने केबाद उस विचार के अलावा कुछ भी मंजूर नहीं होता. वे दूसरे विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे इज्म कहना शुरू कर देते हैं. भागवत ने यह भी कहा कि भारत की राष्ट्र की अवधारणा पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से अलग है.उन्होंने जोर देकर कहा, वे राष्ट्र के बारे में हमारे विचार नहीं समझते, इसलिए उन्होंने इसे राष्ट्रवाद कहना शुरू कर दिया. राष्ट्र का हमारा कॉन्सेप्ट, राष्ट्र के पश्चिमी विचार से अलग है. हमारे बीच इस बारे में कोई मतभेद नहीं है कि यह राष्ट्र है या नहीं — यह एक राष्ट्र है और यह पुराने समय से मौजूद है. उन्होंने दावा किया, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं.

देश पर बहुत ज्यादा गर्व की वजह से दो वर्ल्ड वॉर हुए. इसीलिए कुछ लोग राष्ट्रवाद शब्द से डरते हैं. आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत का राष्ट्रवाद घमंड या गर्व से पैदा नहीं हुआ है, बल्कि लोगों के बीच गहरे जुड़ाव और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से पैदा हुआ है. उन्होंने ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया जिससे समझदारी आती है और इस बात पर जोर दिया कि सिर्फ जानकारी से ज्यादा व्यावहारिक समझ और एक सार्थक जीवन जीना जरूरी है. उन्होंने कहा कि सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है. यह एक ऐसी भावना है जो अस्थायी सफलता के विपरीत, जीवन भर बनी रहती है.

इमरान खान को लेकर पाकिस्तान में बवाल, जेल की सुरक्षा बढ़ाई गई

इस्लामाबाद, 02 दिसंबर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। उनके परिवार का आरोप है कि उन्हें इमरान से मिलने नहीं दिया जा रहा है। इस बीच इमरान रावलपिंडी की जिस अडियाला जेल में बंद हैं, उसकी सुरक्षा बेहद कड़ी कर दी गई है। पूरे प्रांत को हाई अलर्ट पर रखा गया है और हजारों अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है। सोशल मीडिया पर इमरान की मौत की अफवाहें भी हैं।

सूत्रों के मुताबिक, अडियाला जेल में हालिया सालों की सबसे सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इस्लामाबाद और पंजाब पुलिस ने जेल के आसपास 2,500 अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया है। दहगल क्षेत्र, जेल गेट नंबर 1, गेट नंबर 5, फैक्ट्री नाका और रावलपिंडी के गोरखपुर जोन में 5 नई सुरक्षा चौकियां स्थापित की गई हैं।

सुरक्षाकर्मियों को रबर की गोलियों, आंसू गैस, डंडों और दंगा-रोधी उपकरणों से लैस किया गया है।अधिकारियों का कहना है कि बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा किसी भी अवांछित स्थिति से निपटने के लिए बनाया गया है। पुलिस अधीक्षक अनम शेर को जेल की सुरक्षा व्यवस्था का काम सौंपा गया है। अडियाला जेल के अलावा लाहौर की कोट लखपत जेल की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। यहां इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कई नेता और कार्यकर्ता बंद हैं। बलूचिस्तान में क्वेटा से 60 किलोमीटर दूर स्थित माच जेल में भी सतर्कता बढ़ाई गई है।पीटीआई कार्यकर्ताओं ने पूरे पाकिस्तान में प्रदर्शन का ऐलान किया है। पीटीआई को कई विपक्षी पार्टियों का भी साथ मिला है। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी और इमरान की बहन अडियाला जेल के बाहर धरने पर बैठी हैं। यहां सुरक्षाबलों ने अफरीदी के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की और उन्हें सड़क पर गिरा दिया। पीटीआई ने ऐलान किया है कि 30 नवंबर को वो अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित दूतावास के बाहर प्रदर्शन करेगी।

इमरान की बहन नोरीन नियाजी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर इमरान को कुछ हुआ तो कोई नहीं बचेगा।

उन्होंने कहा, हमने 4-5 हफ्ते से इमरान से बात नहीं की है। उनसे मिले नहीं है, देखा भी नहीं है। हमें उनकी फिक्र है, क्योंकि पहले भी उनकी जान लेने की कोशिश हुई है। इमरान को नुकसान पहुंचाने की कोई सोचे भी नहीं। अगर किसी ने कोशिश भी की तो कोई भी नहीं बचेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह ने इमरान और उनके परिजनों के बीच कुछ शर्तों के साथ मुलाकात कराने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, मुलाकात के लिए अनुमति होनी चाहिए, लेकिन एक घंटे की बैठक के बाद 90 मिनट की प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हो सकती। कोई भी कानून इसकी इजाजत नहीं देता। बैठक के दौरान राजनीतिक चर्चा नहीं हो सकती। कानून किसी कैदी को जेल से आंदोलन चलाने की अनुमति नहीं देता।

पिता की दूसरी शादी से नाखुश हें बच्चे, अब सौतेली मां के साथ नहीं संयुक्त परिवार में रहेंगे, हाईकोर्ट का फैसला

अहमदाबाद 02 दिसंबर (एजेंसी)। संयुक्त परिवार में दादा-दादी, चाचा-चाची के साथ रह रहे भाई-बहन ने दूसरी शादी कर कहीं दूसरे स्थान पर जा बसे पिता के साथ रहने से इनकार कर दिया। इसके बाद हाई कोर्ट ने भी कह दिया कि अब पिता बच्चों को अपने साथ रखने का नैतिक अधिकार खो चुके हैं। वे संयुक्त परिवार में ही रहेंगे। कोर्ट ने यह भी माना कि पिता की दूसरी शादी से बच्चे नाखुश हैं। पहली पत्नी से तलाक के बाद एक फिजियोथेरेपिस्ट ने गत वर्ष दूसरा विवाह किया था। लेकिन जब बच्चों को रखने की बात आई तो कोर्ट ने संयुक्त परिवार की परंपरा को महत्व देते हुए पिता के अधिकार को खारिज कर दिया। सूरत के रहने एक फिजियोथेरेपिस्ट ने 2023 में अपनी पत्नी से तलाक के बाद 2024 में दूसरी शादी कर ली। चौदह वर्षीय बेटे और नौ वर्षीय बेटी जन्म से ही संयुक्त परिवार में दादा-दादी और

चाचा-चाची के साथ रह रहे थे। माता-पिता के अलग होने के बाद भी वे इसी संयुक्त परिवार में रह रहे थे।

अपनी दूसरी शादी के बाद फिजियोथेरेपिस्ट अपनी दूसरी पत्नी के साथ एक नए घर में शिफ्ट हो गया। उसने बच्चों को अपने साथ रखने के लिए परिवार में बात की तो बच्चों ने स्वयं इससे इन्कार कर दिया।इसी विवाद के चलते उसने एक हेबियस कार्पस याचिका दायर की, जिसमें आरोप लगाया गया कि उसका परिवार बच्चों को अवैध रूप से हिरासत में रख रहा है और उसे उनसे मिलने से रोक रहा है। परिवार ने उसकी बेटी का स्कूल बदल दिया तो आपसी तनाव और बढ़ गया। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि जैविक पिता के रूप में वह अपने बच्चों का प्राकृतिक रूप से अभिभावक होने का अधिकार रखता है। जब कोर्ट ने बच्चों को बुलाया तो दोनों ने बताया कि वे अपने पिता और सौतेली मां के साथ नहीं रहना चाहते। इस विवाद का मध्यस्थता से हल करने का अदालत का प्रयास विफल रहा।न्यायाधीश एन एस संजय गौड़ा और न्यायाधीश यूटी देसाई की खंडपीठ ने फिजियोथेरेपिस्ट पिता की याचिका को खारिज कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने भी कह दिया

जेल में बंद नारायण साईं की बैरक से मिला मोबाइल और सिम, सुरक्षा पर उठे सवाल

सूरत (गुजरात) 02 दिसंबर (एजेंसी)। रेप के मामले में सूरत की लाजपोर जेल में सजा काट रहे आसाराम के बेटे नारायण साईं की बैरक मे से फिर एक बार मोबाइल और सिम कार्ड बरामद हुआ है. जेल प्रशासन की शिकायत के आधार पर सचिन पुलिस थाने ने नारायण साईं के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है.पुलिस ने बताया कि नारायण साईं ने मोबाइल को लोहे के दरवाजे के पीछे चुंबक से चिपका रखा था और सिम को इनहेलर में छिपा रखा था.जेल प्रशासन ने बताया कि 27 नवंबर को जेलर दीपक भाभोर को गोपनीय सूचना मिली थी कि अलग बैरक नंबर-1 में बंद नारायण साईं के पास मोबाइल फोन है. सूचना के आधार पर जेल सर्च स्क्वॉड ने तुरंत छापेमारी की. तलाशी के दौरान बैरक के लोहे के दरवाजे के पीछे एक मोबाइल फोन चुंबक (मैग्नेट) से चिपकाकर छिपाया हुआ था. फोन से बैटरी और सिम कार्ड पहले ही निकाल लिए गए थे. जांच में पता चला कि नारायण साईं फोन पर बात करने के बाद बैटरी और सिम कार्ड को अलग-अलग निकालकर छिपा देता था.तलाशी के दौरान नारायण साईं के बैग से सिम कार्ड बरामद कर लिया गया. उन्होंने बताया कि फोन इस्तेमाल करने के बाद वह बैटरी और सिम अलग-अलग रखता था. नारायण साईं की बैरक से मोबाइल व सिम कार्ड बरामद किए जाने के बाद लाजपोर जेल की सुरक्षा प्रणाली पर फिर सवाल उठने लगे हैं. फिलहाल पुलिस जांच तेज है और कड़े कदम उठाने की तैयारी हो रही है.

बता दें कि पिछले 11 महीनों में लाजपोर जेल से 12 से अधिक मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं. हाई-प्रोफाइल कैदी नारायण साईं जैसे दोषी के पास भी मोबाइल पहुंच जाना जेल प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गया है

संसद के शीतकालीन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक आज, आम सहमति बनाने पर रहेगा जोर

नई दिल्ली 02 दिसंबर (एजेंसी)। एक दिसंबर यानी सोमवार से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र से पहले रविवार को सर्वदलीय बैठक होगी। इस बारे में जानकारी देते हुए केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि बैठक में सभी पार्टियों की बात सरकार सुनेगी. रिजिजू ने कहा कि जहां तक संसदीय शिष्टाचार का जिक्र करने वाले बुलेटिन की बात है तो हर सदस्य को इसके बारे में जानकारी है। उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान दोनों ही सदनों के सदस्यों से मिलेंगे। बताया जाता है कि सरकार लोकसभा और राज्यसभा के कामकाज को ठीक ढंग से चलाने को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियों से बैठक में सहयोग मांगेगी। एक दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र में कई जरूरी कानूनी पर चर्चा के बाद सरकार की उनको पास कराने की योजना है। वहीं सरकार शीतकालीन सत्र का प्रारंभ वंदे मातरम पर चर्चा से करना चाहती है, क्यों कि देश इस राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है. इस सत्र के दौरान सरकार के द्वारा 10 आवश्यक बिल प्रस्तुत किए जाने की योजना है, इसमें उच्च शिक्षा, कॉर्पोरेट लॉ और सिक्योरिटीज मार्केट के अलावा परमाणु ऊर्जा से जुड़े हुए बिल शामिल हैं। दूसरी तरफ विपक्ष चुनाव आयोग के द्वारा किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का कड़ा विरोध करने की तैयारी की जा रही है. वहीं केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने देश की जीडीपी के 8.2 प्रतिशत तक बढ़ने पर कहा कि भारत ने जीडीपी में एक शानदार रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए एक शानदार जीडीपी उपलब्धि है, जो भारत के लिए अच्छा है और दुनिया भर में एक बहुत ही सकारात्मक

चक्रवात दित्वाह के कारण कोलंबो में 3 दिन से फंसे 300 भारतीय, झेलनी पड़ रही परेशानी

नईदिल्ली 02 दिसंबर (एजेंसी)। चक्रवात दित्वाह ने श्रीलंका में भारी तबाही मचाई है। तूफान से हुई मूसलाधार बारिश और बाढ़ में अब तक 123 लोगों की मौत हो गई है। 130 लोग लापता बताए जा रहे हैं। इधर, चक्रवात के कारण कोलंबो में उड़ानें संचालित नहीं हो पा रही हैं, जिससे 300 भारतीयों सहित कई यात्री फंस गए हैं। भोजन, पानी और बुनियादी जरूरतों की समुचित उपलब्धता न होने से ये यात्री काफी परेशान हैं और हालात सुधरने का इंतजार कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, चक्रवात दित्वाह के कारण चेन्नई जाने वाली कई उड़ानें रद्द होने के बाद से 300 से अधिक भारतीय यात्री पिछले 3 दिनों से कोलंबो के भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंसे हुए हुए हैं। इनमें 150 तमिल नागरिक हैं, जो दुबई से श्रीलंका होते हुए यात्रा कर रहे हैं।

बच्चों के भविष्य को स्वर्णिम बनाने की महती जिम्मेदारी शिक्षा विभाग पर : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

अंजोर विजन के लघु, मध्यम और दीर्घकालीन लक्ष्यों पर व्यापक एवं गहन विमर्श

रायपुरी, 02 दिसंबर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में छत्तीसगढ़ अंजोर विजन 2047 के तहत शिक्षा विभाग के लक्ष्यों की प्राप्ति को लेकर उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में उन्होंने वर्ष 2030 तक के लघु अवधि, 2035 तक के मध्य अवधि तथा दीर्घकालीन लक्ष्यों पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को ठोस कार्ययोजना तैयार कर त्वरित एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विकसित भारत 2047 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, और इसी क्रम में 'अंजोर विजन' के माध्यम से विकसित छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की दिशा में कदम बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति का सबसे सशक्त आधार शिक्षा है, क्योंकि दक्ष, कुशल और स्मार्ट बच्चे ही भविष्य की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि प्रदेश में शिक्षकों की संख्या राष्ट्रीय औसत से बेहतर है और सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। बैठक के दौरान स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समस्त जानकारी मुख्यमंत्री के साथ साझा की।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यदि एक शिक्षक अपनी जिम्मेदारी को दृढ़ता से निभा ले, तो बच्चों के भविष्य को स्वर्णिम बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने शिक्षकों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने, प्रतिभाशाली शिक्षकों को नेतृत्व के अवसर प्रदान करने और बेहतर अकादमिक माहौल विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने आंगनबाड़ी एवं बालवाड़ी के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत करने तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए। बैठक में अंजोर विजन 2047 के अंतर्गत 1000 मॉडल स्कूलों की स्थापना, स्कूल कॉम्प्लेक्स प्रणाली, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के स्कूलों की शुरुआत, एआई-आधारित मूल्यांकन प्रणाली, डिजिटल ऐप के माध्यम से व्यक्तिगत पाठ योजनाएं, शिक्षक प्रशिक्षण के उन्नयन तथा शिक्षा के विस्तार जैसे प्रमुख लक्ष्यों की समीक्षा की गई।मुख्यमंत्री ने शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु साइंस सिटी की स्थापना, विज्ञान मेलों के आयोजन और एआई एवं रोबोटिक्स लैब प्रारंभ करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में वर्ष 2035 तक ड्रॉपआउट दर को शून्य करने, राज्य स्तरीय समिति के गठन, शिक्षकों की भर्ती, मूल्यांकन केंद्रों को सुदृढ़ करने और आगामी तीन वर्षों के लक्ष्यों को निर्धारित कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने संबंधी विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। उन्होंने छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की कार्यप्रणाली — परीक्षार्थियों के डेटा संकलन, प्रश्नपत्र निर्माण, परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन — की समीक्षा की तथा हायर सेकेंडरी स्तर पर अतिरिक्त विषयों के विकल्प, प्रतियोगी परीक्षाओं पर आधारित प्रश्न बैंक, त्रुटिरहित मूल्यांकन व्यवस्था और गोपनीय प्रश्नपत्रों के परिवहन हेतु ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने के निर्देश दिए।बैठक में एनईपी 2020 के तहत नामांकन दर में हुई उल्लेखनीय वृद्धि, बालवाड़ी को स्कूली शिक्षा से जोड़ने, मातृभाषा-आधारित शिक्षण, 'जादुई पिटारा' एवं संवाद कार्यक्रम, इको क्लब की गतिविधियाँ, पीएम ई-विद्या के अंतर्गत डिजिटल प्रसारण तथा व्यावसायिक शिक्षा के विस्तार जैसी उपलब्धियाँ भी प्रस्तुत की गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंजोर विजन 2047 के लक्ष्य छत्तीसगढ़ की आने वाली पीढ़ी को सशक्त, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। बैठक में स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, मुख्य सचिव श्री विकास शील, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेणु पिल्लै, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव श्री राहुल भगत, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव श्री रजत कुमार सहित स्कूल शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

नाबालिग को प्रेमजाल में फंसाकर दुष्कर्म करने वाले आरोपी को 20 वर्ष का सश्रम कारावास

गरियाबंदी, 02 दिसंबर (एजेंसी)। नाबालिग पीडिता को प्रेमजाल में फंसाकर भगाने व शादी करने का लालच देकर उसके साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी पोषराम ध्रुव पिता अर्जुनलाल ध्रुव उम्र लगभग 21 वर्ष, निवासी-मुड़ागांव, थाना-छुरा जिला गरियाबंद को फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय (पॉक्सो एवं बलात्कार मामलें), गरियाबंद के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर ने 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं अर्थदण्ड से दण्डित किया हैं। इस संबंध में शासन की ओर से पैरवी करते हुए विशेष लोक अभियोजक हरि नारायण त्रिवेदी ने बताया कि पीड़िता के पिता ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया था कि उसकी नाबालिग पुत्री उम्र 13 वर्ष 04 माह, जो दिनाँक 25 अगस्त 2024 को दोपहर घर में बिना किसी को बताये कहीं चली गई तथा आस-पास पता तलाशी के बाद भी नहीं मिलने पर किसी अज्ञात व्यक्ति के द्वारा उसकी नाबालिग पुत्री, पीड़िता को बहला फुसलाकर भगा ले जाने की शिकायत पर थाना फिंगेश्वर द्वारा अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान पीड़िता की दशतयाबी पश्चात् यह बताये जाने पर कि आरोपी पोषराम ध्रुव द्वारा उसे नाबालिग जानते हुए प्रेमजाल में फंसाकर अपने साथ भगा ले गया था और अपने गाँव के खेत के सुनसान मकान में रखकर उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किये जाने पर आरोपी के विरूद्ध धारा 137 (2), 64 (2)(ड), 65(1) भार. न्याय संहिता एवं धारा 04, 06 पॉक्सो एक्ट के तहत् न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से उक्त अपराध को प्रमाणित करने हेतु अपने पक्ष समर्थन में कुल 11 साक्षियों का कथन कराये जाने के पश्चात् अंतिम बहस में विशेष लोक अभियोजक हरि नारायण त्रिवेदी ने उक्त अपराध के लिए आरोपी को कठोर से कठोर दण्ड दिये जाने का आग्रह न्यायालय से किया। ताकि नाबालिग लड़कियों को भगाने व ऐसे अपराध की प्रवृति में कमी लाया जा सके। फास्ट ट्रेक विशेष न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश यशवंत वासनीकर द्वारा प्रकरण की गंभीरता, अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और गवाहों का परिशीलन करते हुए आरोपी द्वारा नाबालिग पीड़िता को प्रेम व शादी का झांसा देकर भगा ले जाने और उसके साथ लगातार जबरदस्ती दुष्कर्म का अपराध करना प्रमाणित पाये जाने पर आरोपी पोषराम ध्रुव को पॉक्सो एक्ट की धारा 06 एवं 4 (2) के तहत् 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं दो हजार रूपयें के अर्थदण्ड, भारतीय न्याय संहिता की धारा 137 (2) के तहत् 02वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये का अर्थदण्ड व धारा 87 के तहत् 02 वर्ष का सश्रम कारावास एवं एक हजार रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया हैं।

केषोडार से लगे जंगल में रखें 150 बल्क लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त

गरियाबंदी, 02 दिसंबर (एजेंसी)। कलेक्टर भगवान सिंह उईके के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी गजेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में गरियाबंद जिले की आबकारी टीम ने वृत्त गरियाबंद के अंतर्गत गश्त के दौरान ग्राम केशोडार से लगे जंगल में कच्ची मदिरा विनिर्माण के संभावित स्थलों पर कार्यवाही कर जंगल में रखे 150.00 बल्क लीटर अवैध कच्ची मदिरा मिली। जिसे आबकारी विभाग ने कब्जे में ले लिया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि मामले में अज्ञात आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी की पतासाजी की जा रही है। इस दौरान आबकारी उपनिरीक्षक नागेशराज श्रीवास्तव, रजतचंद ठाकुर, आबकारी मुख्य आरक्षक चंदलोल गायकवाड़, नगर सैनिक संजय नेताम, महिला नगर सैनिक हेमबाई साहू, तथा वाहन चालक गोवर्धन सिन्हा का उल्लेखनीय योगदान रहा।

फोर्स ने ढहाए जंगलों में निर्मित 4 नक्सली स्मारक

जगदलपुरी, 02 दिसंबर (एजेंसी)। बस्तर संभाग में जारी नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर जिले के बासागुड़ा क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा गुरुवार को महत्वपूर्ण अभियान चलाया गया। ग्राम गुद्दम के जंगलों में नक्सलियों द्वारा निर्मित 3 स्मारकों को सुरक्षा बलों द्वारा ध्वस्त किया गया। इसी क्रम में ग्राम नेंड्रा के जंगल में भी एक नक्सल स्मारक को जमींदोज कर दिया गया।

नक्सलियों द्वारा अपने संगठन के विचारों के प्रचार-प्रसार तथा भय का वातावरण बनाने के उद्देश्य इन स्मारकों का निर्माण किया गया था, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल बनाया जा सके। पुलिस व सुरक्षा बलों की सक्रियता के कारण ऐसे अवैध एवं जनविरोधी ढांचों को लगातार ध्वस्त किया जा रहा है।

49 हजार लोगों को कराना होगा राशनकार्ड का ईकेवायसी

सारंगढ़ बिलाईगढ़ी, 02 दिसंबर (एजेंसी)। सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत सारंगढ़- बिलाईगढ़ जिले में प्रचलित कुल 222996 राशनकार्डों में कुल 674767 हितग्राही है। जिला खाद्य कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार इसमें से कुल 49 हजार हितग्राहियों का ईकेवायसी किया जाना शेष है।

मुंबई में ख़रतुली ने बाजी मारी

धमतरी, 02 दिसंबर (एजेंसी)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरतुली के इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के स्वयंसेवकों ने नेहरू साइंस सेंटर वरली मुम्बई में आयोजित पश्चिम भारत राष्ट्रीय विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त कर बाजी मारी है।

यह नाटिका 'स्वच्छता और स्वास्थ्य' विषय पर आधारित है, जिसमें लोगों की लापरवाही, गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार से फैलने वाली गंदगी, अस्वच्छता तथा उससे उत्पन्न होने वाले गंभीर दुष्परिणामों प्रतीक और बिंबों के माध्यम से प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। साथ ही, इन गंभीर चुनौतियों के वैज्ञानिक और व्यवहारिक समाधान को भी सहजता से दर्शाया गया है। विज्ञान नाटिका का लेखन वंदना गोस्वामी तथा निर्देशन आकाश गिरी गोस्वामी द्वारा किया गया। कलाकारों मायांशी साहू, वर्षा सिन्हा, मीनाक्षी धनकर, लोकेश साहू, थनेंद्र साहू, गगन विश्वकर्मा, धर्मेंद्र साहू तथा अभय प्रताप सिंह ने अपने-अपने किरदारों को अद्भुत अभिनय से जीवंत किया। संगीत संयोजन आशीष साहू, संगीत संचालन गगन विश्वकर्मा, वस्त्र निर्माण बसंत टेलर, मंचसजा धर्मेंद्र और अभय ने किया। इस नाटक में शाश्वत उत्सर्ग यूथ थियेटर ग्रुप धमतरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर बी. इक्का, सीएमएचओ डॉ. यू. एल. कौशिक, जिला शिक्षा ़ साहू आदि पालकों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी है।

सफलता की कहानी : किसानों की मेहनत को मिल रहा उचित मूल्य

महासमुंद, 02 दिसंबर (एजेंसी)। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में राज्य सरकार के मंशानुरूप जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। जिले के 182 धान उपार्जन केन्द्रों में आज दिनांक तक 80 हजार 600 टन धान की खरीदी की जा चुकी है तथा 28 नवम्बर को 5707 टन धान की खरीदी की जाएगी। इस प्रकार आज शाम तक कुल 86307 टन धान की खरीदी की जाएगी। बता दें कि जिले में धान खरीदी का अभी 40 दिन शेष है।

जिले के सभी धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी शुरू हो गई है। इसी क्रम में जिले के ग्राम बेलसोंडा धान उपार्जन केंद्र में विपणन वर्ष 2025-26 के तहत धान खरीदी सुचारू और पारदर्शी तरीके से जारी है। अब तक केंद्र में 9,330.80 क्विंटल से अधिक धान की खरीदी हो चुकी है, जिसमें 2,346.80 क्विंटल मोटा धान तथा 6,984 क्विंटल सरना (पतला) धान शामिल है। किसानों की बढ़ती भागीदारी और सुव्यवस्थित व्यवस्थाएँ खरीदी केंद्र की सफलता को दर्शाती हैं।

युवती से मोबाईल लूटने वाले गिरफ्तार

रायपुर, 02 दिसंबर (एजेंसी)। राहगीरों से मोबाइल लूटने वाले आरोपी शहजाद अली और सोनू निषाद गिरफ्तार किए गए है। मिली जानकारी के अनुसार एक प्रार्थीया 07.11.2025 को अपने निवास स्थान यदुवंशी चौक हीरापुर से डॉक्टर नरेन्द्र भुवाल के क्लीनिक ड्यूटी हेतु पैदल जा रही थी इस दौरान यदुवंशी चौक के पास मोटर साईकल सवार युवकों ने झप्पटा मारकर मोबाईल लूट लिया और भाग गये। लूटेरे उक्त मोबाईल को लेकर गणपत चौक की ओर भाग गये। मामले में प्रार्थीया की रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया तथा थाना प्रभारी कबीर नगर के नेतृत्व में थाना कबीर नगर पुलिस की टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए घटना के संबंध में प्रार्थी तथा उसके आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात अरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटनास्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी अज्ञात आरोपियों को चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे। इसी दौरान टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी की पहचान शहजाद अली निवासी रावांभाटा खेल मैदान के पास थाना खमतराई एवं सोनू निषाद निवासी हरदेलाल चौक रावांभाठा थाना खमतराई रायपुर के रूप में करते हुये आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी गई मोबाईल ओप्पों के अलावा शहर के अलग- अलग अन्य जगहों से चोरी किये गये मोबाईल ककर आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया।

हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट नतीजे हासिल करने पर करें ध्यान केन्द्रित– कमिश्नर

जगदलपुर 02 दिसंबर (एजेंसी)। हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट नतीजे हासिल करने पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह ने दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विद्यालय स्तर पर ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। इस दिशा में शिक्षकों की अध्यापन के साथ ही सुविधा की उपलब्धता के आधार पर ऑनलाइन टीचिंग मटेरियल तथा ई-विद्या का बेहतर उपयोग कर बच्चों की पढ़ाई पर फोकस करें। साथ ही विषय विशेषज्ञ के तौर पर स्वेच्छा से सेवाएं देने वाले अधिकारियों सहित मैदानी कर्मचारियों को बच्चों की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। वर्तमान में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को भी सर्वोच्च प्राथमिकता देकर निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने हेतु बूथ लेवल आफिसर्स को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए। इस दिशा में बीईओ, बीआरसी और संकुल समन्वयकों को भी जिम्मेदारी सौंपकर कम प्रगति वाले बूथों पर सहायता प्रदान किया जाए।कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में कहा कि बोर्ड परीक्षाओं में बेहतर परिणाम तभी संभव हैं जब विद्यालयों में नियमित कक्षाएं, विषय-विशेष प्रशिक्षण, मॉडल परीक्षा, टेस्ट सीरीज और कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन पर जोर दिया जाए। उन्होंने स्कूलों में पढ़ाई के वातावरण को और अधिक अनुकूल बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने शिक्षकों से अपेक्षा की कि वे विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का सतत मूल्यांकन करें और जहां आवश्यकता हो, अतिरिक्त कक्षाएं संचालित करें। कमिश्नर ने यह भी कहा कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन के समन्वय से विद्यार्थियों के लिए आवश्यक संसाधन और अध्ययन सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जाए। विद्यालयीन शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए सुविधा की उपलब्धता के आधार पर ऑनलाइन टीचिंग मटेरियल और ई-विद्या प्लेटफॉर्म का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि डिजिटल संसाधन आज की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं, ऐसे में इनका प्रभावी उपयोग छात्रों की सीखने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। कमिश्नर ने कहा कि स्मार्टफोन, प्रोजेक्टर और इंटरनेट आधारित सामग्री के जरिए छात्र कठिन विषयों को भी सरलता से समझ सकते हैं। इसके लिए शिक्षकों को उपलब्ध संसाधनों की जानकारी होना आवश्यक है। उन्होंने विद्यालयों में ई-विद्या पोर्टल, वीडियो लेक्चर्स और डिजिटल लेसन प्लान को नियमित कक्षाओं में शामिल करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षाओं की तैयारियों की नियमित मॉनिटरिंग कर यह सुनिश्चित करें कि हर विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिले।गणवेश एवं पुस्तकों के वितरण को सराहा कमिश्नर ने बस्तर संभाग के सभी लक्षित बच्चों को नि:शुल्क गणवेश प्रदाय सहित पाठ्य पुस्तकों की उपलब्धता को सराहनीय निरूपित किया। छत्तीसगढ़ पाठ्य पुस्तक निगम से अब तक प्राप्त 29 लाख 50 हजार पुस्तकों में से आवश्यकता के अनुरूप 28 लाख 90 हजार से अधिक पुस्तकें प्रदाय के बाद शेष गणवेश एवं पुस्तकों को वर्तमान में दूरस्थ ईलाके में पुन: खोले गए स्कूलों के बच्चों को जरूरत के आधार पर वितरित किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही नि:शुल्क सरस्वती सायकल योजनांतर्गत अब तक आबंटित सायकलों को जल्द से जल्द लक्षित बालिकाओं को वितरित किए जाने कहा।जनसहभागिता से न्यौता भोज आयोजन करने पर जोर कमिश्नर ने सभी प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के बच्चों को नियमित तौर पर स्कूल से जोड़ने एवं उन्हें पौष्टिक आहार मुहैया करवाने के लिए जनसहभागिता से न्यौता भोज आयोजन करने पर जोर देते हुए कहा कि न्यौता भोज के लिए ग्राम पंचायतों का सहयोग लिया जाए। इसके साथ ही न्यौता भोज आयोजन में जनप्रतिनिधियों तथा प्रमुख व्यक्तियों की सहभागिता के लिए पहल किया जाए। उन्होंने मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम को भी सुचारू रूप से संचालित किए जाने सहित नियमित तौर पर मॉनिटरिंग कर इसे बच्चों के सुरुचिपूर्ण बनाने पर बल दिया। बैठक में स्कूल भवन निर्माण एवं अन्य लघु निर्माण कार्यों, स्कूल भवनों में विद्युतीकरण एवं विद्यात कनेक्शन प्रदाय, अपार आईडी तथा लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में डिप्टी कमिश्नर गीता रायस्त,जेडी एचआर सोम, जिला शिक्षा अधिकारी बस्तर बीआर बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। वहीं अन्य जिलों के शिक्षा विभाग के अधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े रहे।

स्पीकर हाउस में एम-1 बना अस्थायी पीएम हाउस

नवा रायपुर में अतिथियों को सर्किट हाउस एवं निमोरा गेस्ट हाउस में ठहराया गया

रायपुर, 02 दिसंबर (एजेंसी)। डीजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने आने वाले पीएम मोदी को स्पीकर हाउस एम-1 बंगले में ठहराया जाएगा। यह प्रधानमंत्री का अस्थायी निवास होगा। यहां सिर्फ कैम्प कमांडर को ही प्रवेश दिया जाएगा। प्रधानमंत्री के अस्थायी निवास को देखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। बाहर आने वाले डीजी, आईजी तथा आईबी प्रमुखों को भी सर्किट हाउस तथा निमोरा गेस्ट हाउस में ठहराया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री डीजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए रायपुर आ रहे हैं। स्पीकर हाउस एम-1 बंगला उनका अस्थायी निवास होगा। इसे देखते हुए यहां पर एक किलोमीटर के दायर में नो एंट्री जोन घोषित कर दिया गया है। बंगले के सामने सड़क पूरी तरह से बंद कर दी गई है। राज्यभर से डीजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अफसरों के लिए लाईजिंग अफसर तैनात किए जा रहे हैं, जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति और वैभव के बारे में बताएंगे। अधिकारियों के लिए 700 से अधिक गाड़ियों की बुकिंग की गई है। गाड़ी कम पड़ने पर महाराष्ट्र पासिंग टैक्सी बुलाई गई है।

मिली जानकारी के अनुसार पूरे नवा रायपुर में हर एक से डेढ़ किलोमीटर पर पुलिस जवानों की तैनाती कर दी गई गई है। बुधवार शाम करीब 4.30 बजे एयरपोर्ट से एम-1 बंगले तक पीएम मोदी के काफि ले की रिहर्सल की गई। इस दौरान भी पूरा रूट बंद रखा गया। इसी बीच नवां रायपुर की सड़कों, गार्डन और दुकानों में बम निरोधक दस्ते और स्निफ र डॉग्स ने जांच की। बंगले के आसपास एनडीआरएफ के दस्ते को भी बुधवार शाम से ही तैनात कर दिया गया है। रास्तों पर बैरिकेड लगाए गए हैं, हालांकि कुछ जगह स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए छोड़ी गई है। बाहरी वाहनों का प्रवेश दोपहर बाद से ही बंद है।अफसरों को थ्री-लेयर से गुजरना पड़ेगा मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री डीजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए रायपुर आ रहे हैं। स्पीकर हाउस एम-1 बंगला उनका अस्थायी निवास होगा। इसे देखते हुए यहां पर एक किलोमीटर के दायर में नो एंट्री जोन घोषित कर दिया गया है। बंगले के सामने सड़क पूरी तरह से बंद कर दी गई है। राज्यभर से डीजी कॉन्फ्रेंस में भाग लेने के लिए अफसरों के लिए लाईजिंग अफसर तैनात किए जा रहे हैं, जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति और वैभव के बारे में बताएंगे। अधिकारियों के लिए 700 से अधिक गाड़ियों की बुकिंग की गई है। गाड़ी कम पड़ने पर महाराष्ट्र पासिंग टैक्सी बुलाई गई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आईबी ने कॉन्फ्रेंस के लिए 6 लेवल के पास जारी किए हैं। पुलिस अधिकारियों को थ्री-लेवर सुरक्षा, जांच से गुजरना अनिवार्य होगा। कैटरिंग स्टाफ, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, एनडीआरएफ कर्मियों और अन्य कर्मचारियों के लिए अलग-अलग स्तर के पास जारी हुए हैं, जिन्हें छह लेयर की सुरक्षा जांच के बाद ही प्रवेश मिलेगा।

शब्द सामर्थ्य -054

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. टुड्डी पर के बाल, टुड्डी, ठोढ़ी 3. विशेष और सामान्य (आदमी), आम और खास लोग (उ.) 5. इच्छा, हसरत, अभिलाषा 6. शारीरिक कोमलता, सुकुमारता (उ.) 7. सविनय, विनती पूर्वक 10. बिलख-बिलख कर रोना 11. कहानी, उपन्यास 12. कुशल, दक्ष, विशेषज्ञ 13. भार, दबाव 14. शुभ-अशुभ की पूर्व सूचना, शुभ अवसर पर होने वाला मंगल कार्य संबंधी गीत 15. एहसान, भलाई, हित 17. सूत काटने, लपेटने में काम आने वाली चर्खे से लगी सलाई 19. एक हिन्दी महीना, श्रावण 20. सप्ताह का एक दिन, बृहस्पतिवार।

ऊपर से नीचे

1. जंगल में लगी आग, दावाग्नि 2. मूल्य, दाम 4. स्वतंत्र, स्वाधीन 5. संकट, कष्ट, दर्द 7. लकड़ी, कन्या, कानों में पहनने का छल्ला, श्रेष्ठ 8. बेइज्जती, अनादार 9. शोभा, सुंदरता, बसंत ऋतु 10. तबाह करने वाला,विनाशक 11. इस समय 13. असुर, राक्षस, दैत्य 14 ए. गुरुमंत्र, बहुत अच्छी युक्ति 15. पर्व, त्यौहार 16. शिकायत, उलाहना, ग्लानि 17. वृक्ष, पेड़ 18. मुंह से निकलने वाला थूक जैसा पदार्थ।

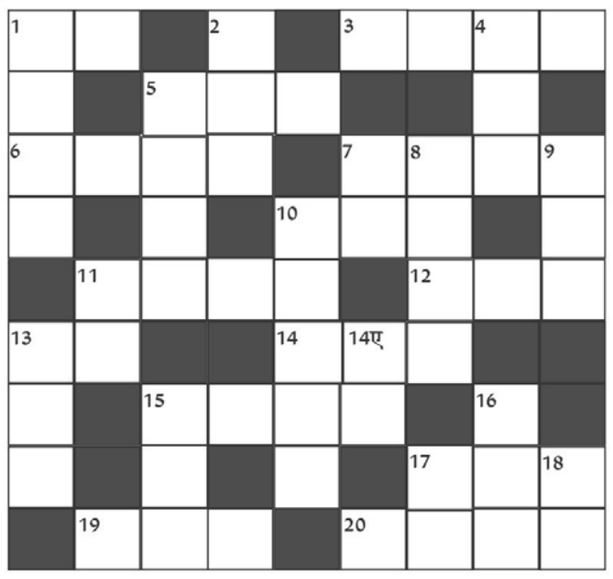

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 053 का हल

खा	म	खां			इं			
स	ह		ब	र	सा	त		प
	क	हा	नी		न	क	च	ढ़ा
त			स्ब			ली		ई
क	या	म	त		क	फ	न	
दी		र्दा		बा	बू		ह	वा
र	ह	ना		ल	त	खो	र	
	वा		नौ	क	र			सा
भा	ई		का			बा	द	ल

आपके पास द्रविड़-लक्ष्मण जैसे बल्लेबाज नहीं हैं', भारत की हालिया हार पर भड़के कपिल देव, लगाई लताड़

नई दिल्ली,02 दिसंबर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हालिया 0-2 से हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं। इस बीच पूर्व विश्व कप विजेता भारतीय कप्तान कपिल देव ने रिएलिटी चैक दिया है। उन्होंने कहा कि टीम में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण जैसे बल्लेबाज नहीं हैं, जिन्हें विकेट पर टिककर खेलने की आदत थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की हालिया 0-2 से हार के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं। सौरव गांगुली और हरभजन सिंह जैसे क्रिकेटर्स पहले ही उनकी रणनीति पर सवाल खड़े कर चुके हैं। इस बीच पूर्व विश्व कप विजेता भारतीय कप्तान कपिल देव ने रिएलिटी चैक दिया है। उन्होंने कहा कि टीम में राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण जैसे बल्लेबाज नहीं हैं, जिन्हें विकेट पर टिककर खेलने की आदत थी।दक्षिण अफ्रीका ने किया क्लीन स्वीप

गुवाहाटी में खेले गए दूसरे टेस्ट में भारत को 408 रनों से करारी हार मिली, जिसके साथ दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप किया। यह भारत में उनकी 25 साल बाद पहली टेस्ट सीरीज जीत है। इससे पहले कोलकाता में खेले गए शुरुआती टेस्ट में मेहमान टीम ने भारत को 30 रनों से हराया था। लगातार दो हारों के बाद टीम के प्रदर्शन और नेतृत्व को लेकर आलोचनाएं तेज हो गईं। कपिल देव ने दिया रिएलिटी चैक स्पोर्टस्टार से बात करते हुए कपिल देव ने कहा, 'हम टी20 और वनडे में ज्यादा व्यस्त रहते हैं, जिसका मतलब है कि बल्लेबाजी को बॉलर-फ्रेंडली पिचों का सामना मुश्किल से ही करना पड़ता है। स्पिन और सीम को बहुत मदद देने वाली पिचों पर, आपको आगे बढ़ने के लिए सब्र और अलग तरह की स्किल्स की जरूरत होती है। एक बार जब आप उन पिचों पर खेलने के लिए तैयार हो जाते हैं, तो आपका माइंडसेट इस बात पर असर डालता है कि आप उनसे कैसे निपटते हैं। आपके पास राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण जैसे बल्लेबाज नहीं हैं, जो विकेट पर टिके रहना जानते थे। टेस्ट में बल्लेबाजी का मतलब है बीच में टिके रहना।'

उन्होंने आगे कहा, 'पेस खेलने के बजाय स्पिन से निपटने के लिए आपको बेहतर स्किल्स की जरूरत होती है, लेकिन यह पिच की हालत पर निर्भर करता है।

अगर टर्न या बाउंस बहुत ज्यादा है, तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है। याद रखें, फुटवर्क एक जरूरी रोल निभाता है। अगर आपका नेचर ऋषभ पंत की तरह जाकर हिट करने का है, तो यह अलग है। आप पंत से डिफेंड करने के लिए नहीं कह सकते। वह एक असली मैच-विनर है। वह जाकर बॉल को हिट करेगा। वह 20 बनाने के लिए 100 बॉल नहीं खेलेगा। जब वह छक्का मारता है, तो हम सब गदगद हो जाते हैं। क्या आप उसे छक्का न मारने के लिए कहते हैं? वह एक ऐसा बैटर है जो विरोधी टीम को ध्वस्त कर सकता है।'गंभीर की देखरेख में भारत का टेस्ट में प्रदर्शन

गंभीर की देखरेख में भारत ने अब तक छह टेस्ट सीरीज खेली हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू सीरीज में टीम ने 2-0 से जीत हासिल की, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड ने भारत को घर में ही 0-3 से क्लीन स्वीप कर दिया, जो भारतीय क्रिकेट के इतिहास में बेहद दुर्लभ घटनाओं में से एक है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम को 3-1 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि इंग्लैंड में खेली गई पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर रही। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज भारत ने 2-0 से जीती, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालिया घरेलू मुकाबलों में 0-2 की हार ने टीम की कमियों को फिर उजागर कर दिया। यह दूसरी बार है जब गंभीर के कार्यकाल में भारत को घर में किसी टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप झेलना पड़ा है।

एशेज सीरीज 2025-26: पर्थ टेस्ट 2 दिन में हुआ खत्म, आईसीसी ने दी चौंकाने वाली रेटिंग

नईदिल्ली,02 दिसंबर (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पर्थ में खेले गए एशेज सीरीज के पहले टेस्ट के लिए पिच को बहुत अच्छा रेटिंग दी है। यह रेटिंग मैच रेफरी रंजन मदुगल्ले ने दी। आईसीसी की चार-स्तरीय पिच रेटिंग प्रणाली में बहुत अच्छा सर्वोच्च दर्जा है। इसका मतलब है कि पिच पर गेंद अच्छी तरह से चली, सीम मूवमेंट कम था और दो दिन चले मुकाबले में उछाल लगातार बनी रही। इससे खेल के दौरान बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लिए परिस्थितियां संतुलित रहीं।

पर्थ एशेज टेस्ट की पिच को आईसीसी द्वारा बहुत अच्छा रेटिंग दिए जाने के बाद आधुनिक बल्लेबाजी और पिच की उम्मीदों पर चर्चा छिड़ गई है। यह फैसला भारत के कोलकाता टेस्ट के बाद आया, जिसे स्पिन के अनुकूल पिच और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था। पर्थ की पिच को ये रेटिंग देने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस अपना गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

पहले एशेज टेस्ट में 2 दिनों के दौरान 1 लाख से ज्यादा दर्शक स्टेडियम आए। पहले दिन 305 रन पर 19 विकेट गिरे, जबकि दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड का 205 रन का लक्ष्य केवल एक सत्र में हासिल कर लिया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चीफ जेम्स ऑल्सोप ने कहा कि यह उन फैंस के लिए निराशाजनक रहा, जिनके पास तीसरे और चौथे दिन के टिकट थे, लेकिन इन 2 दिनों में शानदार क्रिकेट के साथ रोमांचक खेल का अनुभव दिया।ऑस्ट्रेलिया को पर्थ टेस्ट में 8 विकेट से जीत मिली थी। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और उनकी पारी 172 रन पर समाप्त हो गई। मिचेल स्टार्क ने 7 विकेट झटके। जवाब में कंगारू टीम ने 132 रन बनाए। बेन स्टोक्स ने 5 विकेट लिए। इंग्लैंड की दूसरी पारी 164 रन पर समाप्त हुई। स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट चटकाए। इसके बाद ट्रेविस हेड की शानदार शतकीय पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया को जीत मिल गई।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो के मुताबिक, पर्थ टेस्ट में पहले दिन ही 19 विकेट गिरे और मैच का परिणाम दूसरे दिन निकल गया। कुल 847 गेंदों का यह मुकाबला 1888 के बाद से सबसे छोटा एशेज टेस्ट रहा।

भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने की राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)। टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बैट भेंट किया।

टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीतने के बाद भारतीय टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बैट भेंट किया। राष्ट्रपति ने टीम को विश्व कप जीतने पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता देशभर की युवतियों और खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयां छूने के लिए प्रेरित करेगी।भारतीय टीम ने हाल ही में कोलंबो में खेले गए फाइनल में नेपाल को हराकर पहला टी20 ब्लाइंड महिला विश्व कप अपने नाम किया था। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, 'एक यादगार अवसर पर राष्ट्रपति ने खिलाड़ियों को अपने हस्ताक्षर वाली विशेष क्रिकेट बॉल और स्मृति-चिह्न भेंट किए, जिन पर उनके आशीर्वाद और शुभकामनाएं अंकित थीं।'टीम की कप्तान दीपिका टीसी के नेतृत्व में भारत ने इस टूर्नामेंट में अपना दबदबा बनाए रखा। इस प्रतियोगिता में नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका की टीमें भी शामिल थीं।

मुंबई इंडियंस ने थामा नए कप्तान का हाथ, इस तूफानी ऑलराउंडर को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)।मुंबई इंडियंस एमिरेट्स ने आगामी आईएलटी20 सीजन के लिए वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को अपना नया कप्तान घोषित किया है। लीग की शुरुआत 2 दिसंबर से होगी।मुंबई इंडियंस एमिरेट्स ने आगामी आईएलटी20 सीजन के लिए वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को अपना नया कप्तान घोषित किया है। लीग की शुरुआत 2 दिसंबर से होगी। इससे पहले इस टीम की कमान निकोलस पूरन संभाल रहे थे। टी20 क्रिकेट के सबसे अनुभवी खिलाड़ीपोलार्ड टी20 क्रिकेट में 720 मैच खेल चुके हैं। वे 326 रन बनाकर क्रिस गेल को पछाड़ते हुए इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। पोलार्ड अब तक 14237 रन बना चुके हैं। इस सीजन में पोलार्ड को टीम के कोच और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रॉबिन सिंह का साथ मिलेगा।टीम में वेस्टइंडीज की मजबूत मौजूदगीटीम में आंद्रे फ्लेचर, रोमारियो शेफर्ड और अकीम ऑगस्टे जैसे वेस्टइंडीज के खिलाड़ी भी शामिल हैं।

विकेटकीपर बल्लेबाज फ्लेचर ने अक्तूबर में हुए पहले आईएलटी20 ऑक्शन में 260,000 डॉलर की सबसे ऊंची बोली हासिल की थी।लीग का कार्यक्रमआईएलटी20 का चौथा सीजन अबू धाबी, दुबई और शारजाह में खेला जाएगा। लीग 2 दिसंबर से 4 जनवरी तक चलेगी, जिसमें कुल छह टीमें 34 मैच खेलेंगी।

व्यापार

सरकार ने कोयला खनन के लिए सरकारी सूची में शामिल की 18 नई कंपनियां, आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाने का दावा

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)। भारत में कोयला खनन को रफ्तार देने के लिए सरकार ने 18 नई कंपनियों को सरकारी सूची में शामिल किया है। सरकार का कहना है कि इस कदम से कोयला सहित खनिज संसाधनों की खोज तेज होगी, तकनीकी क्षमता बढ़ेगी और देश के खनन क्षेत्र में निजी भागीदारी को नई दिशा मिलेगी।भारत में कोयला खनन को रफ्तार देने और आत्मनिर्भरता को मजबूत करने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने देश में मान्यता प्राप्त पूर्वेक्षण एजेंसियों के दायरे को बढ़ाते हुए निजी संस्थाओं को भी अधिकृत एजेंसियों की सूची में शामिल कर लिया है।26 नवंबर 2025 को जारी अधिसूचना के अनुसार, खान व खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा 4(1) के दूसरे प्रावधान के तहत, क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की नेबेट द्वारा मान्यता प्राप्त निजी संस्थाओं को आधिकारिक रूप से खनिज खोज संबंधी कार्यों के लिए अधिकृत कर दिया गया है।

इस कदम से कोयला सहित खनिज संसाधनों की खोज होगी तेजसरकार का कहना है कि इस कदम से कोयला सहित खनिज संसाधनों की खोज तेज होगी, तकनीकी क्षमता बढ़ेगी और देश के खनन क्षेत्र में निजी भागीदारी को नई दिशा मिलेगी। यह बदलाव आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करने के साथ-साथ खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

18 नई एजेंसियों को किया गया शामिलकोयला मंत्रालय ने कहा है कि इस फैसले से 18 नई एजेंसियों को कोयला और लिग्नाइट की खोज के लिए अधिकृत सूची में जोड़ा गया है। इससे कोयला ब्लॉक आवंटियों को प्रोस्पेक्टिंग कार्यों के लिए एजेंसी चुनने में ज्यादा लचीलापन और विकल्प मिलेंगे। कोयला और लिग्नाइट की खोज को मिलेगी रफ्तार सरकार का मानना है कि अधिकृत प्रोस्पेक्टिंग एजेंसियों की संख्या बढ़ाने से निजी क्षेत्र के संसाधनों और विशेषज्ञता का बेहतर उपयोग हो सकेगा। इससे अन्वेषण प्रक्रिया में दक्षता, प्रतिस्पर्धा और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। सरकार का यह कदम कोयला और लिग्नाइट की खोज की रफ्तार को उल्लेखनीय रूप से तेज करने की दिशा में देखा जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार, विस्तारित एजेंसी सूची से शुरुआती चरण में ही खनन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे देश में संसाधन विकास की गति तेज होगी। इसके साथ ही कोयला और लिग्नाइट की उपलब्धता में सुधार होगा, जो देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

ग्रीन जोन में खुले सेंसेक्स और निफ्टी, गुरुवार को बना था ऑल टाइम का रिकॉर्ड!

मुंबई,02 दिसंबर (एजेंसी)। शुरुआती कारोबार में शुक्रवार को सेंसेक्स 103.96 पॉइंट्स बढ़कर 85,824.34 पर पहुंच गया. वहीं निफ्टी 36.2 पॉइंट्स बढ़कर 26,251.75 पर कारोबार कर रहा था.

शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजार कंसोलिडेशन फेज में चले गए. एक दिन पहले दोनों बेंचमार्क इंडेक्स ने नए ऑल-टाइम हाई को छुआ था, क्योंकि ट्रेडर्स ने ऊंचे लेवल पर प्रॉफिट बुक किया था. प्रॉफिट बुकिंग की उम्मीद थी, और मार्केट पार्टिसिपेंट्स अगले कदम का अंदाजा लगाने के लिए साफ संकेतों का इंतजार कर रहे थे.

बॉन्ड बाजार में छोटी कंपनियों को भी मिले पहुंच, नागेश्वरन ने बड़ी कंपनियों के एकाधिकार

मुंबई,02 दिसंबर (एजेंसी)। नागेश्वरन ने एक कार्यक्रम में कहा कि बॉन्ड बाजार और बैंक फंडिंग का डबल-इंजन भारत जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्था को आगे चलकर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा।

बॉन्ड बाजार में बड़ी और अच्छी रेटिंग वाली कंपनियों के एकाधिकार पर सरकार ने चिंता जताई है। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा, मध्यम आकार की कंपनियों को व्यवस्थित और सस्ते तरीके से बाजार तक पहुंचने में सक्षम बनाने की जरूरत है। साथ ही, बाजार में तरलता भी बढ़ाने की आवश्यकता है। निवेशकों को परिपक्वता तक बॉन्ड रखने की प्रवृत्ति को छोड़नी होगी।नागेश्वरन ने एक कार्यक्रम में कहा, बॉन्ड बाजार और बैंक फंडिंग का डबल-इंजन भारत जैसी बढ़ती अर्थव्यवस्था को आगे चलकर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने में मदद करेगा। आर्थिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मांगों के बीच घरेलू धन को भारतीय ऋण बाजारों में फंडिंग का संचालन करना चाहिए और विदेशी प्रवाह को इसका पूरक होना चाहिए। सीईए ने कहा, बड़ी और उच्च रेटिंग वाली कंपनियां आसानी से पूंजी जुटा लेती हैं। आगे का काम मध्यम आकार की कंपनियों, बुनियादी ढांचा विशेष प्रयोजन कंपनियों (एसपीवी) और आपूर्ति श्रृंखला फर्मों को व्यवस्थित और सस्ते तरीके से बाजारों तक पहुंच प्रदान करना है।

बैंक कार्यशील पूंजी के लिए देंगे धन

उन्होंने कहा, बैंक कार्यशील पूंजी, संबंध आधारित ऋण और प्रारंभिक चरण की परियोजनाओं के लिए वित्त प्रदान करेंगे। ऋण

पूंजी बाजारों को बड़ी कंपनियों और मध्य बाजार जारीकर्ताओं के मामले में अग्रणी भूमिका निभानी होगी। दोहरे इंजन वाला वित्तपोषण मॉडल वैकल्पिक नहीं है। यह आधारभूत है। देश में कुछ मजबूतियां हैं। जैसे निरंतर उच्च आर्थिक विकास, वैश्विक झटकों के बावजूद आर्थिक स्थिरता, मजबूत खाताबही वाली बैंकिंग प्रणाली, स्थिर महंगाई अनुमान और रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार।विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ानागेश्वरन ने कहा, इन बुनियादी बातों ने भारत में घरेलू और विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ाया है। भारतीय सरकारी प्रतिभूतियों को वैश्विक सूचकांक में शामिल करने में योगदान दिया है। यह एक ऐसा मील का पत्थर है जो न केवल स्थिरता, बल्कि भारत के संस्थानों और ऋण प्रबंधन की विश्वसनीयता में विश्वास को भी दर्शाता है।

2.69 लाख करोड़ का लाभांश आरबीआई ने किया मंजूर, राजकोषीय घाटा अक्टूबर तक बढ़कर 8.25 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली ,02 दिसंबर (एजेंसी)। अप्रैल से अक्तूबर के बीच कुल प्राप्तियां 18 लाख करोड़ रुपये रहीं। खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा। ये इस वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का क्रमश: 51.5 फीसदी और 51.8 फीसदी था। पिछले वर्ष की समान अवधि में कुल प्राप्तियां अनुमान का 53.7 फीसदी थीं।

अप्रैल से अक्तूबर तक यानी इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में देश का राजकोषीय घाटा बढ़कर 8.25 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह सरकार के वार्षिक अनुमानों का 52.6 फीसदी है, जो पिछले वर्ष के 46.5 प्रतिशत से अधिक है। सरकार का लक्ष्य इस वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के अनुपात में 4.4 फीसदी तक कम करना है। यह एक साल पहले 4.8 फीसदी था।

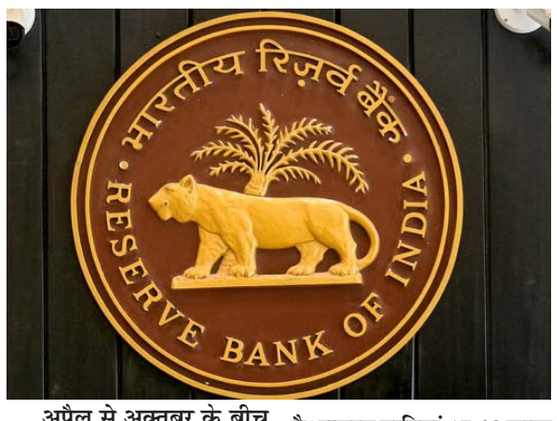

अप्रैल से अक्तूबर के बीच कुल प्राप्तियां 18 लाख करोड़ रुपये रहीं। खर्च 26.25 लाख करोड़ रुपये रहा। ये इस वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का क्रमश: 51.5 फीसदी और 51.8 फीसदी था। पिछले वर्ष की समान अवधि में कुल प्राप्तियां अनुमान का 53.7 फीसदी थीं। खर्च एक वर्ष पहले के 51.3% से थोड़ा बढ़ा है। राजस्व प्राप्तियां 17.63 लाख करोड़ रुपये रहीं। इनमें से कर राजस्व 12.74 लाख करोड़ और गैर कर राजस्व 4.89 लाख करोड़ रहा। कर राजस्व पिछले वर्ष की इसी अवधि के 13.04 लाख करोड़ से बढ़कर 17.63 लाख करोड़ हो गया। आरबीआई के लाभांश से गैर-कर राजस्व बढ़ाभारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार के 2.69 लाख करोड़ रुपये के लाभांश को मंजूर किया था। इससे गैर-कर राजस्व में उछाल आया है। यह पिछले वर्ष के 2.11 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। इससे केंद्र सरकार को अपना राजकोषीय घाटा कम करने में मदद मिलेगी। राजस्व घाटा 2.44 लाख करोड़ रुपये या वित्त वर्ष के बजट लक्ष्य का 46.7% रहा।2.46 लाख करोड़ रुपये सब्सिडी पर हुए खर्चसरकार ने खाद्य, उर्वरक और पेट्रोलियम जैसी प्रमुख सब्सिडी पर लगभग 2.46 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। यह संशोधित वार्षिक लक्ष्य का 64 फीसदी था। पिछले वर्ष की इसी अवधि के बजटीय व्यय के 65% से थोड़ा अधिक था। 2025-26 के लिए कम राजकोषीय घाटे का लक्ष्य मजबूत कर संग्रह की उम्मीदों पर टिका था। हालांकि सरकार लगातार पूंजीगत खर्च पर जोर दे रही है। यह उपभोग बढ़ाने, रोजगार सृजन और 2030 तक भारत को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद के लिए बेहद जरूरी है।अप्रैल से अक्तूबर तक यानी इस वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में देश का राजकोषीय घाटा बढ़कर 8.25 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। यह सरकार के वार्षिक अनुमानों का 52.6 फीसदी है, जो पिछले वर्ष के 46.5 प्रतिशत से अधिक है। सरकार का लक्ष्य इस वित्त वर्ष 2025-26 में राजकोषीय घाटे को जीडीपी के अनुपात में 4.4 फीसदी तक कम करना है। यह एक साल पहले 4.8 फीसदी था।अप्रैल से अक्तूबर के बीच कुल प्राप्तियां 18 लाख करोड़ रुपये रहीं।

बायजू रवींद्रन अमेरिकी कोर्ट में 220 अरब रुपये हर्जाना मांगने की कर रहे हैं तैयारी

नईदिल्ली,02 दिसंबर (एजेंसी)। बायजू के संस्थापक बायजू रवींद्रन अब एक अमेरिकी कोर्ट में नए सबूतों के साथ 2.5 अरब डॉलर (करीब 220 अरब रुपये) का हर्जाना मांगने की तैयारी कर रहे हैं। उनका कहना है कि ये नए सबूत ग्लास ट्रस्ट के उन आरोपों को गलत साबित करेंगे, जिनमें कहा गया था कि कंपनी के फाउंडर्स ने अल्फा फंड्स में से लगभग 53.3 करोड़ डॉलर (करीब 4,770 करोड़ रुपये) का गलत इस्तेमाल किया था।मामला तब शुरू हुआ जब अमेरिकी बैंकरप्सी कोर्ट ने कहा कि बायजू रवींद्रन ने 2021 में लिए गए लगभग 100 अरब रुपये के लोन से जुड़े पैसों की जानकारी देने में ठीक तरह से मदद नहीं की। रवींद्रन जरूरी कागजात समय पर जमा नहीं कर पाए, इसलिए कोर्ट ने बिना उनकी बात सुने उनके खिलाफ फैसला सुना दिया। हालांकि, रवींद्रन का कहना है कि कोर्ट ने उन्हें अपना अमेरिकी वकील तैयार करने के लिए 30 दिन ही नहीं दिए।रवींद्रन का कहना है कि पूरे पैसे का साफ-सुथरा हिसाब है और कोई पैसा गलत तरह से इस्तेमाल नहीं हुआ। उनका दावा है कि 47.9 करोड़ डॉलर लोन देने वाली कंपनी ओसीआई से रेवरे कैपिटल और फिर कई बायजू ग्रुप कंपनियों के जरिए थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड तक पहुंचे थे। इन पैसों का इस्तेमाल साल 2021 में किए गए 3 अरब डॉलर (लगभग 270 अरब रुपये) के अधिग्रहणों में हुआ।

एसईसीएल के सामने अब 4 माह में 112 मिलियन टन कोयला उत्पादन की चुनौती

वित्तीय वर्ष के 8 माह में 100 मिलियन टन हुआ कोयला उत्पादन

कोरबा (छ.ग.गौरव)। चालू वित्तीय वर्ष में एसईसीएल को 212 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य मिला है। कंपनी अपने वर्तमान उत्पादन लक्ष्य से भले ही पीछे चल रही हो लेकिन एसईसीएल ने एक दिन पहले 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन के आंकड़े को पार कर लिया। इस वित्तीय वर्ष में आठ माह बीत चुके हैं, ऐसे में लक्ष्य पूरा करने के लिए कंपनी के पास चार माह का समय रह गया है। इस अवधि में कंपनी को अपना उत्पादन टारगेट पूरा करने के लिए 112 मिलियन टन और कोयला उत्पादन करना होगा,जो एसईसीएल के लिए बड़ी चुनौती होगी।

कोल इंडिया की सहायक कंपनी एसईसीएल ने चालू वित्तीय वित्तीय वर्ष में 100 मिलियन टन कोयला उत्पादन के आंकड़े को पार कर लिया है। अब बचे हुए चार माह में कोल कंपनी एसईसीएल को 112 मिलियन टन और कोयला उत्पादन की चुनौती बनी हुई है। हालांकि मानसून के बाद एसईसीएल के खदानों में कोयला उत्पादन ने गति पकड़ ली है। जिले के कोयला खदानों में भी अब पहले की अपेक्षा अधिक रफ्तार से कोयला उत्पादन हो रहा है। एसईसीएल की जिले में स्थित कोयला खदानों में भी उत्पादन में अब तेजी आई है। मेगा प्रोजेक्ट गेवरा से हर दिन एक लाख 75 हजार टन कोयला उत्पादन हो रहा है। मेगा प्रोजेक्ट कुसमुंडा से एक लाख 50 हजार टन और दीपका खदान से अब हर दिन एक लाख 30 हजार टन कोयला निकल रहा है। कंपनी के दूसरे खदानों से भी अब कोयला उत्पादन में तेजी आई है। यही कारण है कि अब हर दिन एसईसीएल की सभी खदानों से हर दिन 6 लाख टन तक कोयला उत्खनन हो रहा है। एसईसीएल की खदानों में कोयला उत्पादन बढ़ाने के साथ ही अब डिस्पैच के काम में भी तेजी आई है। वर्तमान में एसईसीएल की खदानों से मालगाड़ियों गाड़ियों में हर दिन 60 रैक से ज्यादा कोयला डिस्पैच किया जा रहा है।28 नवंबर को कंपनी ने खदानों से रिकॉर्ड 68 रैक कोयला डिस्पैच किया है। नवंबर माह में 1000 रैक कोल डिस्पैच हुआ।

एसईसीएल का लक्ष्य पूरा करने जिले की कोयला खदानों की बड़ी भूमिका है। इस वित्तीय वर्ष में जिले में स्थित एसईसीएल की कोयला खदानों से लगभग 163 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य है, इसके मुकाबले अब तक 71 मिलियन टन कोयला उत्पादन हुआ है। मानसून के दौरान बारिश की वजह से खदानों में कोयला उत्पादन पर खासा असर पड़ा था। लेकिन आप खदानों में उत्पादन सामान्य होने के साथ ही उत्पादन की गति में भी तेजी आई आई है। कोल इंडिया की सहायक कंपनियों में एसईसीएल की तुलना में अभी कोल कंपनी एमसीएल आगे है। एमसीएल को इस वित्तीय वर्ष में 239 मिलियन टन कोयला उत्खनन का लक्ष्य दिया गया है इसकी अपेक्षा कंपनी की खदानों से 133 मिलियन टन से ज्यादा कोयला उत्पादन हो चुका है। जबकि एसईसीएल ने 212 मिलियन टन कोयला उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले अभी 100 मिलियन टन का आंकड़ा पार किया है।

दल से बिछड़कर कनकी क्षेत्र में पहुंचा दंतैल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले के कनकी क्षेत्र में एक दंतैल हाथी अपने दल से बिछड़कर पहुंच गया है। कुछ लोगों ने इसे कनकी के मुख्य मार्ग पर देखा, जिसके बाद वन विभाग को सूचना दी गई। हाथी के देखे जाने की खबर तेजी से फैल गई। यह हाथी सक्ति जिले के जंगलों से अपने दल से बिछड़कर कोरबा जिले के कनकी क्षेत्र में दाखिल हुआ है। बताया जा रहा है कि यह कनकी से पहरीया की ओर बढ़ रहा है। वन विभाग लगातार लोगों से सावधानी बरतने और हाथी से दूर रहने की अपील कर रहा है। इसी बीच सोमवार सुबह जिले के ग्राम कटबीतला में 45 वर्षीय ग्रामीण मुन्ना राजवाड़े पर हाथी ने हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। मुन्ना राजवाड़े अपनी फसल देखने खेत की ओर गए थे, तभी खेत के पास झाड़ियों में छिपे हाथी ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले के बाद परिजनों और ग्रामीणों की मदद से घायल मुन्ना राजवाड़े को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय निवासियों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से हाथियों का झुंड आसपास के जंगलों में लगातार देखा जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में भय और तनाव का माहौल है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि हाथियों के बार-बार गांव की ओर आने से फसलें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं।

पेड़ की डंगाल काटते समय करंट की चपेट में आकर मजदूर की मौत

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र के अरदा मोड़ के पास सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। वनविभाग की भूमि पर चल रहे कथित निर्माण कार्य के दौरान पेड़ की डाल काटते समय मजदूर बिजली की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान छुरी निवासी लक्की चौहान के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार अरदा मोड़ के पास कथित वनभूमि पर एक मकान का निर्माण कार्य चल रहा था, जहां लक्की चौहान मजदूरी कर रहा था। पेड़ की ऊँची डाल काटने के लिए वह पेड़ पर चढ़ा

था। इसी दौरान पेड़ के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन से वह अचानक संपर्क में आ गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और पेड़ से नीचे गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने तुरंत उसे कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। शाम होते ही परिजन शव को लेकर ग्राम छुरी पहुंचे, जहां पूरे गांव में शोक छा गया।

सोने चांदी से भरा बैग ऑटो से पार, अपराध दर्ज

कोरबा (छ.ग.गौरव)। ऑटो में बैठी महिला के बैग से सोने व चांदी के जेवर पार हो गए। महिला ने इसकी रिपोर्ट कोतवाली थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है। पुलिस ने चोरों की पतासाजी प्रारंभ कर दी है।

सर्वमंगला नगर निवासी सुनीता कैवर्त निहारिका काशीनगर से ऑटो में सवार होकर घर जाने के लिए निकली थी। टीपी नगर स्थित रेलवे फाटक के पास ऑटो में दो महिलाएं भी दो बच्चों के साथ बैठी। पॉवर हाउस रोड स्थित ओवरब्रिज के नीचे फाटक पर दोनों महिलाएं बच्चों के साथ उतर गई। कुछ ही समय बाद सुनिता की नजर बैग पर पड़ी। बैग का चैन खुला हुआ था। बैग की जांच करने पर पता चला कि उसके बैग में रखे सोने का मंगलसूत्र, झुमका, मांगटिका लगभग 17 ग्राम नहीं था। महिला ने ऑटो में सवार दो महिलाओं पर संदेह जाहिर किया है। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले में चोरी का केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि वह सर्वमंगला नगर में रहती है और गृहणी है।वह 24 नवंबर को शाम करीबन 4.30 बजे निहारिका काशीनगर से आटो बुक कराकर सर्वमंगला नगर बरमपुर जाने के लिए निकली थी कि रेल्वे क्रासिंग के टीपी नगर के पास दो अज्ञात महिलाएं दो बच्चों के साथ ऑटो में बैठ गई जो बीच में ओवरब्रिज के नीचे फाटक के पास दोनों महिलाएं बच्चों के साथ उतरकर चली गई। इसके बाद कुछ दूर जाने के बाद उसने अपना बैग को देखा तो बैग खुला हुआ था।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर

हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। बालकोनगर प्रोजेक्ट गेट के पास तेज रफ्तार कार ने बाइक को ठोकर मार दिया। हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। घायल युवक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार बेलगडी नाला बालको निवासी सिकंदर कुमार केंवट अपने दोस्त हरीश कुमार चौहान के साथ बाइक पर सवार होकर बालकोनगर चेकपोस्ट जा रहे थे। बाइक सिकंदर चला रहा था। प्रोजेक्ट गेट के पास पहुंचे थे। इस बीच तेज रफ्तार कार ने बाइक की ठोकर मार दी।

बाइक सवार दोनों युवक सड़क पर गिर गए। दोनों घायल हो गए। बाइक क्षतिग्रस्त हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मामले में आरोपी कार चालक के खिलाफ लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने का अपराध दर्ज किया है।

गत वर्ष उठाव से कम धान किया जमा, खामियाजा भुगतेंगे 45 मिलर्स

मिलर्स इस साल नहीं उठा पाएंगे चावल

कोरबा (छ.ग.गौरव)। जिले में पिछले खरीदी सीजन में 43 हजार 412 किसानों ने उपार्जन केंद्रों में 28 लाख 67 हजार 331 क्विंटल धान की बिक्री की थी। उपार्जन केंद्रों से धान के उठाव के लिए 112 मिलर्स ने पंजीयन कराया था। मिलर्स ने उपार्जन केंद्रों से अधिकांश धान का उठाव तो कर लिया है। लेकिन इसमें से 45 मिलर्स ऐसे हैं, जिन्होंने उठाव की अपेक्षा लगभग 70 से भी कम धान विभाग के समक्ष जमा किया है। ऐसे में विभाग ने इन लापरवाह मिलर्स को धान उठाव के लिए ना कह दिया है और धान जमा करने के लिए कहा है। इसके बाद ही उठाव की अनुमति मिलेगी। जिले में धान खरीदी की प्रक्रिया जारी है। दिसंबर से धान खरीदी में तेजी आने की उम्मीद है। पखवाड़े भर

के भीतर 61 हजार 847 क्विंटल धान की बिक्री की है। लेकिन उठाव की प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हो सकी है। ऐसे में खरीदी में तेजी आने से उपार्जन केंद्रों में बफर लिमिट पार होने पर समिति और किसानों की परेशानी बढ़ जाएगी।

जिले में इस बार 41 समितियों के माध्यम से 65 उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी की जा रही है। पखवाड़े भर धान खरीदी प्रक्रिया जारी है। प्रदेश सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए 1284 किसानों द्वारा 61 हजार 847 क्विंटल धान की बिक्री जा चुकी है। लेकिन अभी तक उठाव को लेकर मिलर्स से अनुबंध की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। बताया जा रहा है कि मिलर्स धान उठाव के लिए पंजीयन कर रहे हैं। अभी 90 मिलर्स ने पंजीयन कराया है। जरूरी दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद उठाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इस प्रक्रिया में लगभग 10 दिनों के समय लगने की बात कही जा रही है। इस अवधि में धान खरीदी रफ्तार पकड़ने की संभावना जताई जा रही है। यदि धान खरीदी की रफ्तार बढ़ी तब समस्या बढ़ने वाली है। किसानों का कहना है कि उठाव के लिए मिलर्स से अनुबंध की प्रक्रिया धान खरीदी से पहले ही पूरी कर लेनी चाहिए।

विवाह-गृह प्रवेश पर लगेगा ब्रेक, तीन फरवरी से गूंजेंगी शहनाइयां

15 दिसंबर से 14 जनवरी तक मलमास, 13 को शुक्र भी होगा अस्त

कोरबा(छ.ग.गौरव)। इस वर्ष विवाह और मांगलिक कार्यों को लेकर लोगों को लंबा इंतज़ार करना पड़ेगा। 15 दिसंबर सफला एकादशी से लेकर 14 जनवरी षट्तिला एकादशी तक मलमास रहने के कारण विवाह, गृह प्रवेश और अन्य शुभ कार्य पूरी तरह वर्जित माने जाएंगे। इसी दौरान 13 दिसंबर को शुक्र तारा भी अस्त हो जाएगा, जिससे शुभ कार्यों पर और रोक लग जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मलमास और शुक्र अस्त का मेल शुभ कार्यों के लिए अशुभ माना जाता है।

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि इस अवधि में सूर्य धनु राशि में रहेगा और गुरु बृहस्पति की राशि में सूर्य के गोचर के कारण विवाह के योग निषिद्ध हो जाते हैं। शुक्र तारा 29 जनवरी तक अस्त रहेगा और 3 फरवरी को उदित होगा। इसलिए इस पूरे अवधि में शुभ विवाह मुहूर्त नहीं पड़ेंगे। जनवरी माह में एक भी विवाह मुहूर्त नहीं है। मलमास शुरू होने से पहले केवल सात दिनों में ही विवाह के अवसर उपलब्ध रहेंगे। अंतिम विवाह मुहूर्त 7 दिसंबर का है। क्षेत्र में इन सात दिनों में 200 से अधिक शादियों का अनुमान लगाया जा रहा है। मैरिज गार्डन ऑनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों के अनुसार सहालग का आखिरी दौर पूरी तरह बुक है। कैटरर्स के अनुसार भी दिसंबर के शुरुआती दिनों में शादी समारोहों की बाढ़सी आ गई है। सबसे अधिक विवाह 1 दिसंबर मोक्षदा एकादशी पर हुए। विवाह व खरीदारी के लिए नवंबर से दिसंबर तक कई शुभ योग भी बन रहे हैं। नवंबर-दिसंबर में 12 दिन सर्वार्थ सिद्धि, 4 दिन अमृत सिद्धि और 4 दिन रवि योग जैसे बेहद शुभ योग बनेंगे, जिनमें मांगलिक कार्यों की तैयारी और खरीदारी शुभ मानी जाती है।

शुभ योगों का गणित भी विशेष—शुभ योगों का गणित भी विशेष है। 30 नवंबर को सूर्योदय से रात 8.30 बजे तक सर्वार्थ सिद्धि योग रहा। इसके बाद 2, 3, 4, 6 से 9, 14, 16, 17, 30 और 31 दिसंबर को भी सर्वार्थ सिद्धि योग रहेगा। इसी तरह 2, 3, 14 और 17 दिसंबर को अमृत सिद्धि योग और 3, 4, 9, 22 एवं 26 दिसंबर को रवि योग बनेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मलमास के दौरान सूर्य का प्रभाव कमजोर रहता है और गुरु का उग्र स्वभाव दांपत्य जीवन के लिए शुभ नहीं माना जाता। वहीं शुक्र अस्त होने से प्रेम, सुख और सौभाग्य के कारक तत्व भी कमजोर माने जाते हैं। इसलिए इस अवधि में विवाह के साथ सभी प्रकार के मांगलिक कार्य रोक दिए जाते हैं।

किशोरी के साथ छेड़छाड़, आरोपी को 2 साल की सजा

कोरबा(छ.ग.गौरव)। एक किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर आपत्तिजनक बातें करने वाले आरोपी को न्यायालय ने 2 साल की सजा से दंडित किया है।

मामला 12 नवंबर 2024 की रात लगभग 8:30 बजे का है जब कोतवाली क्षेत्र निवासी एक 16 वर्षीय किशोरी रानी रोड मार्ग में रवि साउंड के पास दुकान से चना-मुर्रा लेने गई थी। इस दौरान यहां पर रिंकू सागर निवासी मोतीसागरपारा 19 वर्ष ने किशोरी से छेड़छाड़ किया। उसके साथ उमेश्वर साहू भी मौजूद था। पीड़िता ने घर लौटकर अपने पिता को यह बातें बताई और दूसरे दिन पिता के साथ कोतवाली पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस ने पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत आरोपी रिंकू सागर, उमेश्वर साहू के विरुद्ध अपराध पंजीकृत कर प्रकरण को विचरण हेतु न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। विचाराधीन मामले में अपर सत्र न्यायाधीश पॉस्को डा.ममता भोजवानी ने रिंकू सागर को दोष सिद्ध पाते हुए दंडित किया है। उमेश्वर साहू के विरुद्ध अपराध साबित न होने पर उसे दोषमुक्त कर दिया गया। पॉस्को एक्ट में आरोपी रिंकू को 2 वर्ष का सश्रम कारावास, 5000 रुपये अर्थदण्ड,राशि का भुगतान न करने पर दो माह का अतिरिक्त कारावास, अन्य धारा 79 में 1 वर्ष का सश्रम कारावास, 3000 रुपये अर्थदंड और राशि भुगतान न करने पर एक माह का अतिरिक्त कारावास की सजा से दंडित किया गया है। प्रकरण में शासन की तरफ से विशेष लोक अभियोजक सुनील कुमार मिश्रा ने पैरवी की।

दिसंबर शुरू होते ही क्रिसमस की तैयारी ने पकड़ा जोर

प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव का होने लगा इंतजार

कोरबा (छ.ग.गौरव)। दिसंबर का महीना मसीही समुदाय के लिए पावन, उल्लासपूर्ण और अत्यंत शुभ अवसर लेकर आता है। प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव क्रिसमस की आहट के साथ ही हर मसीही परिवार में आनंद, उम्मीद और खुशियों की लहर दौड़ गई है।

इस पवित्र माह में घरों, कॉलोनियों और चर्चों में सजावट का मनमोहक दृश्य मन को आनंदित कर देता है। रंग-रोगन से सजे मकान, जगमगाते स्टार, सुंदर गौशाला, और आकर्षक क्रिसमस ट्री—ये सब यीशु

जन्म की गाथा को जीवंत कर देते हैं। डोनट्स, रोज़ कुकी, गुजिया और केक जैसे स्वादिष्ट पकवान इस पर्व की खास पहचान हैं।दिसंबर शुरू होते ही सभी चर्चों और मसीही परिवारों में क्रिसमस तैयारियां जोर-शोर से प्रारंभ हो जाती हैं। बच्चों में उत्साह चरम पर रहता है—नए वस्त्र पहनने की खुशी, गिफ्ट पाने की चाह और क्रिसमस ट्री पर इनाम पाने की उम्मीद उन्हें बेहद रोमांचित करती है।

कई मसीही परिवार अपने पड़ोसियों व क्षेत्र के बच्चों को सांता क्लॉस की वेशभूषा में उपहार देकर खुशियां बांटते हैं, जिससे प्रेम और सद्भाव का संदेश फैलता है। गिरजाघरों में क्रिसमस माह की रौनक चरम पर है। महीनेभर होने वाले विभिन्न रोचक व आध्यात्मिक कार्यक्रम समुदाय को एकता और प्रेम की डोर में बांधते हैं। इनमें क्रिसमस ड्रामा, संडे स्कूल अवॉर्ड, क्रिसमस ट्री गिट वितरण, गडरिया दल द्वारा कैरल सिंगिंग, बुजुर्गों का समान, पिकनिक, खेलकूद गतिविधियां, वॉच नाइट सर्विस, क्रिसमस मिलन समारोह, गीत-संगीत प्रतियोगिता, कोरियोग्राफी, विधवा माताओं को विशेष उपहार तथा सामाजिक प्रेम भोज प्रमुख हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक किशोर शर्मा द्वारा कावेरी प्रिंटर्स, सी-35,प्रेस काम्पलेक्स टी.पी. नगर कोरबा (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित संपादक किशोर शर्मा, पंजीयन क्रमांक 7585/61 फोन नं. 07759-357623